दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 4 : अंकः 27 | ग्वालियर, 4 दिसम्बर, रविवार 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

छत्तीसगढ़, राजस्थान और मप्र में बीजेपी की बंपर जीत

नई दिल्ली। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले सेमीफाइनल माने जाने वाले छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान के चुनाव रिजल्ट में कांग्रेस को झटका लगता दिख रहा है. छत्तीसगढ़ और राजस्थान में बीजेपी बंपर जीत की ओर आगे बढ़ रही है. वहीं मध्य प्रदेश में बीजेपी पर फिर से लोग विश्वास जताते हुए दिख रहे हैं. इसके अलावा तेलंगाना में के चंद्रशेखर राव (चष्टक्र) की भारत राष्ट्र समिति को लोग नकाराते हुए दिख रहे हैं. यहां कांग्रेस बहुमत के जादुई आंकड़े को पार करते हुए दिख रही है. चुनाव आयोग के दोपहर तीन बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक छत्तीसगढ़ की 90 सीटों में बीजेपी 54 सीटों पर आगे हैं. वहीं कांग्रेस 33 सीटों पर सिमटती दिख रही है. इसके अलावा अन्य के उम्मीदवार 3 सीटों पर आगे चल रहे हैं. मध्य प्रदेश की बात करें तो यहां बीजेपी प्रचंड बहुमत की ओर बढ़ रही है. बीजेपी 230 सीटों में 159 पर आगे चल रही है तो एक सीट जीत चुकी है. वहीं कांग्रेस 68 सीटों पर आगे हैं. इसके अलावा अन्य के उम्मीदवार दो सीटों पर आगे चल रहे हैं.

राजस्थान की 199 सीटों पर हुए चुनाव में से बीजेपी 103 सीटों पर आगे और 12 सीटें जीत चुकी है. वहीं कांग्रेस 66 पर आगे तो तीन सीट जीत चुकी है. वहीं अन्य के उम्मीदवार 15 पर आगे चल रहे हैं. इसके अलावा तेलंगाना की 119 सीटों में से कांग्रेस 62 सीटों पर आगे और 2 सीटें जीत चुकी है. वहीं बीआरएस 39 सीटों पर आगे चल रही है तो 1 सीट जीत चुकी है. साथ ही बीजेपी 8 सीटों पर आगे चल रही है. इसके अलावा असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन 6 सीटों पर आगे हैं. एआईएमआईएम ने नौ सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं. वहीं अन्य के खाते में 1 सीट जाती दिख रही है.

जनता-जनार्दन को नमनः तेलंगाना, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के चुनाव परिणाम पर पीएम मोदी बोले

नई दिल्ली। राजस्थान, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना विधानसभा चुनाव रिजल्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार (3 दिसंबर) को पहली प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि जनता-जनार्दन को नमन! मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के चुनाव परिणाम बता रहे हैं कि भारत की जनता का भरोसा सिर्फ और सिर्फ सुशासन और विकास की राजनीति में है, उनका भरोसा बीजेपी है.

पीएम मोदी ने कहा कि बीजेपी पर अपना स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद बरसाने के लिए मैं इन सभी राज्यों के परिवारजनों का, विशेषकर माताओं-बहनों-बेटियों का, हमारे युवा वोटर्स का हृदय से धन्यवाद करता हूं. मैं उन्हें भरोसा देता हूं कि आपके कल्याण के लिए हम निरंतर अथक परिश्रम करते रहेंगे. उन्होंने कहा, इस अवसर पर पार्टी के सभी परिश्रमी कार्यकर्ताओं का विशेष रूप से आभार! आप सभी ने अद्भभुत मिसाल पेश की है. भाजपा की विकास और गरीब कल्याण की नीतियों को आपने जिस तरह लोगों के बीच पहुंचाया, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वो कम है. हम विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं. हमें ना रुकना है, ना थकना है. हमें भारत को विजयी बनाना है. आज इस दिशा में हमने मिलकर एक सशक्त कदम उठाया है.

चुनाव रिजल्ट पर खरगे की पहली प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार (3 दिसंबर) को तेलंगाना में पार्टी की बंपर जीत पर लोगों का धन्यवाद किया. वहीं उन्होंने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की हार को स्वीकार करते हुए कहा कि हमें वोट देने के लिए शुक्रिया. खरगे ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, मैं तेलंगाना के लोगों को उनसे मिले जनादेश के लिए धन्यवाद देता हूं. मैं उन सभी का भी शुक्रिया अदा करता हूं जिन्होंने कि छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में हमें वोट दिया. इन तीन राज्यों में हमारा प्रदर्शन निस्संदेह निराशाजनक रहा है, लेकिन दृढ़ संकल्प के साथ हम इन तीन राज्यों में खुद को पुनर्जीवित करने के लिए मजबूत संकल्प लेते हैं. उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी ने इन चारों राज्यों में जोरदार चुनाव प्रचार किया है. मैं हमारे लाखों कार्यकर्ताओं के प्रयासों को स्वीकार करता हूं और उनकी सराहना करता हूं. हम अस्थायी असफलताओं से उबरेंगे और विपक्षी गठबंधन इंडिया के साथ लोकसभा चुनावों के लिए खुद को पूरी तरह से तैयार करें दरअसल, कांग्रेस को राजस्थान और छत्तीसगढ़ में झटका लगा है क्योंकि वो यहां से सत्ता से बाहर होती हुई दिख रही है. वहीं मध्य प्रदेश में बीजेपी को बहुमत मिलता दिख रहा है. इसके अलावा कांग्रेस तेलंगाना में बंपर जीत की ओर आगे बढ़ रही है.

राज्यपाल से मिलकर अपना इस्तीफा सौंपेंगे अशोक गहलोत

नई दिल्ली। सीएम अशोक गहलोत शाम साढ़े पांच बजे राज्यपाल से मिलने राजभवन पहुंचेंगे और अपना इस्तीफा सौंपेंगे. राजस्थान में बीजेपी जीत की ओर बढ़ती दिख रही है. रुझानों में वह कांग्रेस से कहीं आगे और बहुमत के आंकड़े को पार कर चुकी है. ऐसे में अब कांग्रेस की मौजूदा सरकार का जाना तय हो गया. रुझानों को देखते हुए बीजेपी के खेमे में जहां राजतिलक की तैयारी चल रही है तो वहीं सीएम अशोक गहलोत राज्यपाल कलराज मिश्र से मिलकर उन्हें अपना इस्तीफा सौंपेंगे. उधर, रूझानों को देखने के बाद कांग्रेस के खेमे में मायूसी छा गई है तो दूसरी तरफ बीजेपी के कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है. कार्यकर्ताओं में जयपुर में ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाते और एक-दूसरे को मिठाई खिलाते नजर आए. बता दें कि 10 में से छह एग्जिट पोल में राजस्थान में बीजेपी की जीत का अनुमान जताया गया था. वहीं, एग्जिट पोलों के अनुमानों के इतर शनिवार शाम को

सीएम गहलोत ने कांग्रेस के स्पष्ट बहुमत का दावा किया था लेकिन रविवार को जैसे ही वोटों की गिनती शुरू हुई परिणाम उससे अलग नजर आ रहे हैं और कांग्रेस पिछड़ रही है. अभी तक के रुझानों में राजस्थान में कांग्रेस बहुमत से काफी पीछे है. यहां बहुमत के लिए 101 सीटों की दरकार है लेकिन कांग्रेस को रुझानों में अभी 69 सीटें मिलती दिख रही हैं जो कि 2018 के चुनाव से काफी कम है. दूसरी तरफ बीजेपी बहुमत की तरफ बढ़ रही है. वह 115 सीटों पर आगे चल रही है. उधर, राजस्थान में रुझानों के बीच कुछ सीटों पर हार जीत का फैसला हो गया है. जमवारामगढ़, चोरासी, पिंडवाड़ा आबू, मनोहर ताना, किशनपोल, नागौर, डेगाना और मेड़ता सिटी पर नतीजे घोषित कर दिए गए हैं. आपको बता दें कि चुनाव से ठीक पहले बीजेपी में शामिल हुई डॉ. ज्योति मिर्धा चुनाव हार गई हैं. उन्हें नागौर में कांग्रेस के हरेंद्र मिर्धा ने हराया है.

ट्विटर पर शायराना अंदाज में भिड़े कांग्रेस और बीजेपी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस देश की दो सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है. देश के किसी भी राज्य में होने वाले चुनाव में जनता की नजरें इन दो पार्टियों के टक्कर पर टिकी रहती है. दोनों पार्टियों ने पिछले महीने हुए देश के 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक दी. इन 5 राज्यों में राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, मिजोरम और मध्य प्रदेश शामिल है. हालांकि, आज यानी 3 दिसंबर को मिजोरम को छोड़ बाकी के 4 राज्यों में चुनावी नतीजे सामने आने वाले है. इस वक्त कांग्रेस तेलंगाना को छोड़ बाकी राज्यों में बीजेपी के मुकाबले पिछड़ी हुई है. कांग्रेस और बीजेपी के बीच चुनावी मैदानों के अलावा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जुबानी जंग छिड़ी रहती है. हाल ही में छत्तीसगढ़ के बीजेपी पार्टी और कांग्रेस ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर शायराना अंदाज में एक-दूसरे पर जमकर पलटवार हुआ, जो खूब वायरल भी हो रहा है. दोनों ही पार्टियों ने मतदान खत्म होने के बाद राज्य में अपनी पार्टी की सरकार बनने को लेकर दावा ठोंक रहे थे.

लोगों ने केसीआर और केटीआर को जवाब दिया

नई दिल्ली। तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए हुए मतदान की गिनती जारी है. शुरुआती रुझानों में कांग्रेस को बढ़त मिलती दिख रही है. ऐसे में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाना शुरू कर दिया है. शुरुआती नतीजों को देख तेलंगाना कांग्रेस प्रमुख रेवंत रेड्डी ने पार्टी नेताओं कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और अन्य लोगों के साथ हैदराबाद में राज्य चुनावों में पार्टी की बढ़त का जश्न मनाया. इस दौरान डीके शिवकुमार ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर निशाना साधा. उन्होंने कहा, तेलंगाना के लोगों ने केसीआर और केटीआर को जवाब दे दिया है. चुनाव आयोग की वेबसाइट के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक तेलंगाना की 119 सीटों में कांग्रेस 65 सीटों पर आगे चल रही है, जबकि सत्तारूढ़ पार्टी भारत राष्ट्र समिति को 39 सीटों पर जीत मिल सकती है. वहीं, बीजेपी भी 8 सीटों पर आगे है. गौरतलब है कि तेलंगाना में 30 नवंबर को मतदान हुआ था और उसी दिन आए एग्जिट पोल सामने आया थे. इसमें से ज्यादातर में बीआरएस को बहुमत मिलने का अनुमान था. हालांकि, चुनावी नतीजों में तेलंगाना में कांग्रेस जीत हासिल करती नजर आ रही है. 2014 में तेलंगाना को अलग राज्य का दर्जा मिलने के बाद पिछली दो बार केसीआर की पार्टी बीआरस ने प्रदेश में सरकार बनाई. 2014 में बीआरएस ने यहां 63 और 2018 में 88 सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि कांग्रेस ने पिछले दो विधानसभा चुनाव में 21 और 19 सीटे हासिल की थीं.

हिंदी पट्टी के 3 राज्यों में खिला कमल

नई दिल्ली। बीते 30 नवंबर को पांच राज्यों विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ था. इनमें से 4 राज्यों में मतगणना जारी है. इन राज्यों में तेलंगाना, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान शामिल हैं. वहीं, मिजोरम में हुई वोटिंग की गिनती सोमवार (4 दिसंबर) को होगी. अब तक सामने आए रुझाने में राजस्थान, एमपी और छत्तीसगढ़ में बीजेपी सरकार बनाती दिखाई दे रही है, जबकि तेलंगाना में कांग्रेस बढ़त बनाए हुए है. इन चुनावों में सबसे ज्यादा फायदा बीजेपी को होता दिखाई दे रहा है. भगवा पार्टी ने सिर्फ तीन राज्यों में जीत की ओर बढ़ रही है, बल्कि 4 राज्यों में उसके वोट शेयर में भी इजाफा हुआ है. रविवार शाम 4.30 बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक छत्तीसगढ़ में कांग्रेस 35 और बीजेपी 55 सीट सीट पर बढ़त बनाई हुई है. अगर बात करें वोट शेयर की तो इस बार कांग्रेस को 42.11 प्रतिशत वोट मिलता दिखाई दे रहा, जबकि बीजेपी को 46.35 फीसदी वोट मिल रहा है. 2018 के चुनाव में कांग्रेस को 68 और बीजेपी को 15 सीट मिली थीं . इस दौरान कांग्रेस का वोट प्रतिशत 43.04 फीसदी थ और बीजेपी को 32.97 फीसदी वोट मिल सका था. वहीं, अगर बात करें मध्य प्रदेश की तो यहां बीजेपी 167 और कांग्रेस को 62 सीटें मिल रही हैं, यहां बीजेपी को 48 फीसदी से ज्यादा वोट मिलता दिख रहा है, जबकि कांग्रेस को 40.32 फीसदी ही वोट मिले हैं. वहीं, अगर बात करें पिछले विधानसभा चुनाव की तो यहां भारतीय

जनता पार्टी को 109 सीटें मिलीं थीं और उसे 41.02 फीसदी वोट मिला था, जबकि 114 सीटें जीतने वाली कांग्रेस का वोट शेयर 40.89 फीसदी था. राजस्थान में कांग्रेस के हाथ से सत्ता जाती दिखाई दे रही है. अब तक के रुझानों में यहां बीजेपी 115 और 69 सीटों पर जीतती नजर आ रही है.

3 महीने बाद इंडिया गठबंधन की याद आई

नई दिल्ली। हींदी पट्टी के 3 राज्यों में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की जीत को लेकर अब इंडीया गठबंधन के नेताओं की प्रतीक्रीया भी आ रही है. तृणमूल कांग्रेस के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के चीफ उमर अब्दुल्ला का भी बड़ा बयान सामने आया है. उन्होंने कहा की कांग्रेस पूरी तरह से विफल रही है.अब्दुल्ला ने कहा कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस जीत रही थी. छत्तीसगढ़ में भी लग रहा था की कांग्रेस आराम से जीत जाएगी. तेलंगाना में तो उन्हें विश्वास था और राजस्थान में भी अंतिम समय में वे जीत हासील कर लेंगे, ऐसा हमें लग रहा था लेकिन ये नहीं हो सका. इसमें कांग्रेस पूरी तरह से विफल नजर आई है. उमर अब्दुल्ला ने इंडिया गठबंधन की अगली मीटींग की तारीख को लेकर भी कहा कि कांग्रेस ने 6 दीसंबर को खाने पर बुलाया है. उनको 3 महीने बाद इंडिया गठबंधन की याद आई है. उन?होंने कहा कि देखते हैं आगे क्या होता है. उन्होंने मध्य प्रदेश में कांग्रेस की हार और कमलनाथ पर प्रतीक्रीया व्यक्त करते हुए कहा कि वो (कमलनाथ) कुछ समय के लिए मुख्यमंत्री बने लेकिन तकरीबन 20 साल हो गए कांग्रेस वहां नहीं जीती है. नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता ने कहा कि इंडिया गठबंधन के भविष्य पर मैं क्या कहूं. उन्होंने कहा कि कांग्रेस अगर अखिलेश यादव को 5-10 सीटें दे देती तो क्या हो जाता. ऐसे भी तो आपने कुछ नहीं जीता. कुछ सीटें अगर दे देते तो शायद स्थिति थोड़ी अच्छी हो जाती. इस बीच देखा जाए तो तीन राज?यों में हार मीलने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लीकार्जुन खरगे की ओर से इंडीया गठबंधन की मीटींग बुलाने का नीर्णय लीया है. 6 दीसंबर को दील्ली में बुलाई गई मीटींग को लेकर सभी सहयोगीयों को कॉल भी की गई है. आगामी लोकसभा चुनाव-2024 में एनडीए गठबंधन के खीलाफ 26 राजनीतीक दलों ने इंडीया गठबंधन बनाया है.

जश्न के माहौल के बीच बीजेपी को झटका!

नई दिल्ली। राजस्थान में बीजेपी भले ही जीत की ओर बढ़ती नजर आ रही हो लेकिन चुनाव में इसके एक बड़े नेता हार गए हैं. राजस्थान विधानसभा के विपक्ष के नेता राजेंद्र राठौर तारानगर सीट से हार का सामना करना पड़ा है. उन्हें कांग्रेस के उम्मीदवार नरेंद्र बुडानिया के हाथों का हार का मुंह देखना पड़ा है. दोनों के बीच यहां दिलचस्प मुकाबला देखने को मिला है. नरेंद्र बुडानिया ने राजेंद्र राठौर को 9727 वोटों से हराया है. राजस्थान में धीरे-धीरे विजेताओं के नाम का ऐलान होने लगा है. सबसे पहले बात झालरापाटन सीट की करते हैं जहां पूर्व सीएम वसुंधरा राजे जीत गई हैं. उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार 53,193 वोटों के अंतर से हराया है. वहीं, जमवारामगढ़ सीट से बीजेपी के उम्मीदवार महेंद्र पाल मीणा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से 38,427 मतों से चुनाव जीत गए हैं.

वहीं, बीजेपी की ही दीया कुमारी विद्याधर नगर से जीती हैं. उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार सीतारमण अग्रवाल को 71368 वोटों से हराया है. पिंडवाड़ा आबू सीट से बीजेपी के र समाराम 13,094 मतों से जीत गए हैं. मनोहर थाना सीट से बीजेपी के गोविंद प्रसाद ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से 24,865 मतों से जीत हासिल की. डेगाना से बीजेपी के अजय को भी जीत मिली है. उधर, राजस्थान की किशनपोल सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार अमीन कागजी अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से 7056 वोटों से चुनाव जीत गए हैं, जबकि नागौर से कांग्रेस के हरेंद्र मिर्धा ने बीजेपी की ज्योति मिर्धा को हराया, ज्यादि चुनाव से कुछ दिन पहले ही बीजेपी में शामिल हुई थीं. भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) ने चोरासी सीट पर जीत दर्ज की है. पार्टी के उम्मीदवार राजकुमार रोत 69,166 वोटों के अंतर से जीते हैं. बता दें कि राजस्थान की 199 सीटों पर 25 नवंबर को मतदान कराए गए थे.

तेलंगाना में रेवंत रेड्डी को कांग्रेस बनाएं सीएम

नई दिल्ली। तेलंगाना में कांग्रेस बंपर जीत की ओर बढ़ रही है. इस बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री रेणुका चौधरी ने रविवार (3 दिसंबर) को एबीपी न्यूज से बात करते हुए कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने बहुत मेहनत की है. ऐसे में उन्हें सीएम बनाया जाना चाहिए है. वहीं रेवंत रेड्डी ने पार्टी की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि सोनिया गांधी ने जिस मकसद से तेलंगाना दिया था, उस हिसाब से ही मेंडेट है. हमारे कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे साहब, युवाओं के नेता राहुल गांधी और हमारी नेता प्रियंका गांधी सहित सबकी अहम भूमिका है. उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी के सीनियर लीडर राज्य आए और उन्होंने यहां प्रचार किया है. ऐसे में सबका धन्यवाद करता हूं. चुनाव आयोग के दोपहर 2.45 बजे तक आंकड़ों के अनुसार कांग्रेस 62 सीटों पर आगे तो 2 जीत चुकी है. वहीं केसीआर की भारत राष्ट्र समिति 39 पर आगे तो एक पर जीत दर्ज कर चुकी है. वहीं बीजेपी 8 तो असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन 6 पर आगे चल रही है. इसके अन्य एक पर आगे चल रहे हैं. रेड्डी ने कांग्रेस पार्टी की जीत पर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव की शुभकामनाओं का स्वागत किया और कहा कि वह लोगों को सुशासन देने में बीआरएस के सहयोग की उम्मीद करते हैं. उन्होंने कहा, ''यह लोगों का जनादेश है। हमें पोस्टमॉर्टम करने की जरूरत नहीं है.

जिले की 6 विधानसभाओं में कांग्रेस व भाजपा का तीन-तीन सीट पर कब्जा

मुरैना से दिनेश गुर्जर, दिमनी से नरेंद्र तोमर, अंबाह से देवेंद्र सखवार, सुमावली से ऐदल सिंह, जौरा से पंकज उपाध्याय, सबलगढ़ से सरला रावत विजई

मुरैना। रविवार को मुरैना जिले की 6 विधानसभा सीटों की मतगणना प्रात: 8 बजे आरंभ हुई और दोपहर बाद स्थिति स्पष्ट हो गई तथा जिले की तीन-तीन विधानसभा सीटों पर कांग्रेस व भाजपा का कब्जा रहा। प्रतिष्ठापूर्ण जिले की दिमनी विधानसभा सीट पर भाजपा के प्रत्याशी एवं केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने अपने प्रतिदिन दी बसपा के बलवीर सिंह को भारी मतों से हराया। मुरैना जिले की 6 विधानसभा सीट मुरैना, दिमनी, अंबाह, सुमावली, जौरा एवं सबलगढ़ के लिए रविवार की सुबह आरंभ हुई। मतगणना में बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशियों ने जिले की दिमनी, सुमावली एवं जौरा विधानसभा मैं कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंत के राउंड में वह पीछे होते चले गए। मतगणना पूरी होने के पश्चात जिला कलेक्टर एवं निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना द्वारा सभी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें सर्टिफिकेट जारी किए गए। इसके पश्चात निर्वाचित प्रत्याशियों ने जनता को धन्यवाद दिया।

मुरैना विधानसभा सीट से कांग्रेस ने की जीत दर्ज

मुरैना विधानसभा सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी दिनेश गुर्जर को 73695, भाजपा प्रत्याशी रघुराज कंसाना को 53824 एवं बसपा प्रत्याशी राकेश रुस्तम सिंह को 37167 मत मिले और कांग्रेस प्रत्याशी 19871 मतों से निर्वाचित घोषित किए गए।

सुमावली में पूर्व मंत्री ऐदल सिंह विजई

सुमावली विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी तीसरे नंबर पर रहे। यहां भाजपा प्रत्याशी ऐदल सिंह कंसाना को 72508, बसपा के कुलदीप सिंह सिकरवार को 56500 एवं कांग्रेस प्रत्याशी अजब सिंह कुशवाह को 55289 वोट मिले और भाजपा प्रत्याशी 16008 वोटो से चुनाव जीत गए।

सबलगढ से भाजपा की सरला विजई

सबलगढ़ विधानसभा में भाजपा एवं कांग्रेस में कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें भाजपा प्रत्याशी श्रीमती सरला विजेंद्र रावत को 66787 कांग्रेस प्रत्याशी बैजनाथ कुशवाह को 56982 एवं बसपा प्रत्याशी सोनी धाकड़ को 51153 वोट मिले तथा भाजपा प्रत्याशी 9805 वोटो से निर्वाचित घोषित की गई।

जौरा में पंकज ने सर्वाधिक मतों से की जीत दर्ज

जिले की जौरा विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी की पूरे जिले में बड़ी जीत हुई और यहां भाजपा के सूबेदार सिंह सिकरवार को कांग्रेस प्रत्याशी ने बड़े अंतर से हराया। यहां कांग्रेस प्रत्याशी पंकज उपाध्याय को 89253, भाजपा प्रत्याशी सूबेदार सिंह को 58972 एवं बसपा प्रत्याशी सोनेराम कुशवाह को 37038 मत मिले और इस तरह कांग्रेस प्रत्याशी 30281 वोटो से निर्वाचित घोषित हुए।

केन्द्रीय मंत्री तोमर ने बसपा को दी मात

जिले की दिमनी विधानसभा चर्चित सीट से केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी बलवीर सिंह डण्डोतिया ने कड़ी टक्कर दी और आरंभ के लगभग 11 राउंड तक वह भारी बढ़त बनाकर चले, लेकिन बाद के 7 राउंड में वह पिछड़ते चले गए और अंत में वह भाजपा प्रत्याशी नरेंद्र सिंह तोमर से 24461 मतों से हार गए। इस विधानसभा में भाजपा के नरेन्द्र सिंह को 79137, बसपा के बलवीर सिंह डण्डोतिया को 54676 एवं कांग्रेस के रविन्द्र सिंह तोमर को 24006 मत प्राप्त किए।

कांग्रेस के देवेन्द्र ने भाजपा के कमलेश को हराया

जिले की सुरक्षित अंबाह सीट से शुरूआती राउंड से ही कांग्रेस के प्रत्याशी देवेंद्र सखवार लगातार भाजपा प्रत्याशी से प्रत्येक राउंड में बढ़त बनाते चले गए और अंत में 22109 मतों से निर्वाचित घोषित हुए। अंबाह विधानसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र सखवार को 79274, भाजपा प्रत्याशी कमलेश जाटव को 57165 एवं बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी रामबरन को 4146 वोट ही प्राप्त हुए।

भक्तिमय माहौल में मेला संपन्न : पाटन में पद्मनाभ मेले के अंतिम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े, श्रद्धालुओं ने अनुष्ठान पूरा कर अपने बच्चों का मुंडन संस्कार कराया.

पाटन में रेवड़ियो मेला यानि पद्मनाभ मेला का अद्वितीय महत्व

निलेश श्रीमाली, दैनिक पुष्पांजली टुडे

गुजरात। पाटन प्रजापति समाज के कार्तिक सुद चौदस से प्रारंभ होकर रेवड़िया मेला के नाम से प्रसिद्ध सप्त रात्रि मेला कार्तिक वद पंचमान शनिवार को हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में भक्तिमय माहौल में संपन्न हुआ।पद्मनाभ भगवान की वाडी में मनाये जाने वाले सप्तरात्रि मेले में रवाडी जलाने की महिमा. मेले की शुरुआत ज्योति जलाकर की जाती है। इस बार से प्रतिदिन विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों के हाथों से रवाड़ी की लौ प्रज्ज्वलित करवाकर मेले का शुभारम्भ करने की व्यवस्था की गई है। इस प्रकार रवादी की महिमा को और अधिक प्रभावशाली बना दिया गया है। रेवड़ी मेला के नाम से भी प्रसिद्ध है परंपरागत है मेला पाटन शहरवासियों के लिए है आस्था का केंद्रभगवान पद्मनाभ के कार्तिक सुद चौदस से लेकर कार्तिक वध पंचम तक श्री हरि की स्मृति में सप्त रात्रि मेले लगते हैं। इस मेले को रेवडी मेला भी कहा जाता है। क्योंकि भगवान को गोल तिलों से बनी रेवड़ी का प्रसाद चढ़ाया जाता है।पद्मनाभ को भगवान विष्णु का 24वां अवतार माना जाता है, जिनका जन्म चैत्र सुद पंचमे शिवजी के वंशज विक्रम संवत 1458 में पाटन जैसे धार्मिक शहर में एक पवित्र प्रजापति जाति में माता लक्ष्मी देवी (लखमा) और पिता श्री कर्णदेव की संतान से हुआ था।पूरे गुजरात में पाटन का यह पद्मनाभ भगवान का सप्त रात्रि का मेले का महत्व है, जहां पर लोग दूर-दूर से दर्शन के लिए आते हैं। काफी संख्या में यहां पर लोग आते हैं और भगवान के दर्शन करते हैं। खास कर प्रजापति समाज के इष्टदेव भगवान की दो वाडी का निर्माण किया था जिसके बाद 33 करोड़ देवता, छप्पन करोड़ यादव और अट्ठासी हजार ऋषि-मुनि इस पवित्र भूमि पर मिट्टी के ढेर के रूप में विराजमान हो गए। इस पवित्र भूमि पर बड़ी संख्या में तीर्थयात्री आते हैं।

जिले के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव परिणाम घोषित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत रविवार 3 दिसंबर को ग्वालियर जिले की सभी 6 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतों की गिनती यहाँ एमएलबी कॉलेज में विधानसभा क्षेत्रवार बनाए गए मतगणना कक्षों में की गई। गिनती के बाद संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा चुनाव परिणाम घोषित किए गए। साथ ही विजयी प्रत्याशियों को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अक्षय कुमार सिंह एवं संबंधित प्रेक्षकगणों की मौजूदगी में रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा विजयी प्रत्याशियों को निर्वाचित होने के प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 14-ग्वालियर ग्रामीण में कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी श्री साहब सिंह गुर्जर ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी श्री भारत सिंह कुशवाह को 3242 मतों से पराजित किया। श्री गुर्जर को 79 हजार 871 मत और श्री कुशवाह को 76 हजार 629 मत प्राप्त हुए। जले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 15-ग्वालियर से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर 19 हजार 140 मतों से विजयी रहे। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी इंडियन नेशनल कॉंग्रेस के प्रत्याशी श्री सुनील शर्मा को पराजित किया। श्री तोमर को एक लाख 4 हजार 775 और श्री शर्मा को 85 हजार 635 मत मिले। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 16-ग्वालियर पूर्व से इंडियन नेशनल कांग्रेस के उम्मीदवार डॉ. सतीश सिंह सिकरवार ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी श्रीमती माया सिंह को 15 हजार 353 मतों से हराया। श्री सिकरवार को एक लाख 301 मत और श्रीमती माया सिंह को 84 हजार 948 मत हासिल हुए। जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 17-ग्वालियर दक्षिण से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी श्री नारायण सिंह कुशवाह ने इंडियन नेशनल कॉंग्रेस के प्रत्याशी श्री प्रवीण पाठक को 2 हजार 536 मतों से हराया। श्री कुशवाह को कुल 82 हजार 317 मत प्राप्त हुए। उनके निकटतम प्रतिद्वंदी श्री पाठक को 79 हजार 781 मत मिले। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 18-भितरवार से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार श्री मोहन सिंह राठौर ने इंडियन नेशनल कॉंग्रेस के प्रत्याशी श्री लाखन सिंह यादव को 22 हजार 354 मतों से पराजित किया। श्री राठौर को 97 हजार और श्री यादव को 74 हजार 646 मत प्राप्त हुए। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 19-डबरा (अजा) से इंडियन नेशनल कॉंग्रेस के प्रत्याशी श्री सुरेश राजे विजयी रहे। उन्होंने अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार श्रीमती इमरती देवी को 2 हजार 267 मतों से हराया। श्री सुरेश राजे को 84 हजार 717 व श्रीमती इमरती देवी को 82 हजार 450 मत मिले। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 14-ग्वालियर ग्रामीण का चुनाव परिणाम रिटर्निंग अधिकारी श्री बृजबिहारी लाल श्रीवास्तव, 15-ग्वालियर का परिणाम रिटर्निंग अधिकारी श्री श्री अतुल सिंह, 16-ग्वालियर पूर्व का परिणाम रिटर्निंग अधिकारी श्री विनोद सिंह, 17-ग्वालियर दक्षिण का परिणाम रिटर्निंग अधिकारी श्री नरेश कुमार गुप्ता, 18-भितरवार का परिणाम रिटर्निंग अधिकारी श्री देवकीनंदन सिंह और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 19-डबरा (अजा) का चुनाव परिणाम रिटर्निंग अधिकारी श्री मुनीष सिकरवार द्वारा घोषित किया गया। कलेक्टर श्री सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश चंदेल रविवार को सुबह से मतगणना सम्पन्न होने तक लगातार मतगणना व्यवस्था का का जायजा लेते रहे। साथ ही मतगणना व्यवस्था के प्रभारी एवं जिला पंचायत सीईओ श्री विवेक कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरूणा कुमार एवं श्री टी एन सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री ऋषिकेश मीणा समेत अन्य पुलिस अधिकारियों ने सुव्यवस्थित ढंग से मतगणना सम्पन्न कराने में महती भूमिका निभाई।

पूरी पारदर्शिता के साथ खुले स्ट्रांग रूम-मतगणना दिवस को प्रात-काल लगभग 7 बजे सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के स्ट्रांग रूम पूरी पारदर्शिता के साथ खोले गए। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षकगण, प्रत्याशी और उनके निर्वाचन अभिकर्ताओं की मौजूदगी में स्ट्रांग रूम खोले गए। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत स्ट्रांग रूम खोलने के दौरान वीडियोग्राफी भी कराई गई।

ग्वालियर में महल को लगा झटका, सिंधिया की मामी माया सिंह हारी चुनाव, तो भितरवार में कांग्रेस को झटका

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर।ग्वालियर भाजपा के साथ ही सिंधिया घराने को भी एक करारा झटका लगा है. कांग्रेस के डॉ. सतीश सिकरवार ने सिंधिया घराने की मामी व पूर्व मंत्री माया सिंह को भारी मतों से हराया है. वहीं इसे भाजपा में सिंधिया के कद से भी जोड़कर देखा जा रहा है, क्योंकि माया सिंह को सदैव से ही महल के करीब माना गया है. वहीं कांग्रेस का किला कहे जाने वाला भितरवार सीट को भी कांग्रेस ने ढहा दिया है. यहां बीजेपी प्रत्याशी मोहन सिंह राठौर ने जीत हासिल की है.

सिंधिया की मामी हारीं चुनाव- गौरतलब है कि ग्वालियर की पूर्व विधानसभा पर भाजपा की ओर से सिंधिया घराने की मामी यानि की माया सिंह पर पूरा भरोसा जताया गया था. वहीं केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने भी पूर्व मंत्री माया सिंह को जिताने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी. उन्होंने क्षेत्र में कई जगह पर कार्यकर्ताओं से लेकर पदाधिकारी की कई सभाएं और बैठक भी की थी. बावजूद इसके कांग्रेस के वर्तमान विधायक डॉक्टर सतीश सिकरवार ने सिंधिया घराने की मामी और पूर्व मंत्री माया सिंह को लगभग 16000 मतों से हराया है. इस दौरान भारी संख्या में लोगों ने उनकी जीत का स्वागत किया.

मिठाईयां खिलाकर जीत का जश्न में मनाया.-सिकरवार ने दिया धन्यवाद-पत्रकारों से चर्चा के दौरान डॉक्टर सतीश सिकरवार ने प्रदेश में कांग्रेस की स्थिति को लेकर कहा कि %जो सरकार बन रही है. वह पहले भी खरीद फरोख्त करके बनाई गई थी. आज भी वही होने जा रहा है. चुनाव से 1 दिन पहले तक भाजपा द्वारा लोगों के खाते में पैसे डाले गए थे. इसके साथ ही उन्होंने अपनी जीत के लिए कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं पदाधिकारी और सबसे अधिक ग्वालियर की जनता का धन्यवाद अर्पित किया है.

भाजपा ने ढहाया भितरवार- इसके अलावा ग्वालियर जिले में कांग्रेस के अभेद किले के रूप में माने जाने वाली भितरवार विधानसभा को भाजपा ने ढहा दिया है. भितरबार से भाजपा प्रत्याशी मोहन सिंह राठौर ने 22 हजार से ज्यादा वोटों से जीत हासिल की है. जीत हासिल करने वाले भाजपा प्रत्याशी मोहन सिंह राठौड़ कट्टर सिंधिया समर्थक हैं. बता दें भितरवार विधानसभा से पिछले चार बार से विधायक कांग्रेस के पूर्व मंत्री लखन सिंह यादव कांग्रेस के प्रत्याशी थे. उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा है.

सिंधिया समर्थक हैं मोहन सिंह राठौर- गौरतलब है कि मोहन सिंह राठौड़ कट्टर सिंधिया समर्थक के रूप में पहचाने जाते हैं. अपने एक लंबे राजनीतिक करियर में इनका ये पहला विधानसभा चुनाव था. जिसमें इनका करियर भी दांव पर लगा हुआ था. भितरवार क्षेत्र में कांग्रेस की एक मजबूत सीट मानी जाती है. जिस पर लखन सिंह यादव का एक लंबे अरसे से कब्जा चल रहा था. वहां पर भाजपा को बहुत ही लंबे समय से जीत दर्ज करने की आवश्यकता थी. आपको बता दें कि मोहन सिंह राठौड़ पूर्व में कांग्रेस में हुआ करते थे और 2020 में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल भी हो गए थे. पार्टी ने पहली बार में ही उन्हें भितरवार के लिए चुना था और उन पर भरोसा जताया था. विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के बाद मोहन सिंह राठौड़ ने मुख्यमंत्री के रूप में सिंधिया को लेकर चल रही चर्चाओं पर कहा कि भाजपा एक संगठित पार्टी है. यहां पर निर्णय शीर्ष नेतृत्व तय करता है

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप सीबीएलयू की कबड्डी टीम ने जीता कांस्य पदक

भिवानी। चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय (सीबीएलयू) की पुरुष टीम ने बेंगलुरु यूनिवर्सिटी कर्नाटक में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी कबड्डी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर परचम लहराया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राजकुमार मित्तल कुलसचिव ऋचु सिंह ने संयुक्त रूप से

विजेता खिलाड़ियों एवं खेल विभाग के प्रभारी डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सुरेश सहित टीम प्रशिक्षकों को जीत की बधाई देते हुए खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की है। विश्वविद्यालय की टीम की जीत की खुशी में विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने विजेता टीम के खिलाड़ियों और खेल विभाग के सभी कर्मचारियों को बधाई दी। इस चैंपियनशिप में देशभर से 150 विश्वविद्यालयों ने भाग लिया था। टीम कोच संजय कुमार और टीम मैनेजर डॉ. वीरेंद्र सिंह की देखरेख में टीम ने इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में हिस्सा लिया था।

जींद मैं एड्स की स्थिति गंभीर, 3230 मरीज

जींद। एड्स जैसी लाइलाज बीमारी के मामले में जींद में स्थिति गंभीर है। जिले में एड्स के 3230 मरीजों का उपचार चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय ने भी जींद में एड्स की स्थिति को गंभीर मानते हुए कुछ समय पहले इस पर काबू पाने के निर्देश जींद की तत्कालीन सिविल सर्जन को दिए थे। जिले में लोगों को एड्स से बचाने और इसके प्रति जागरूकता फैलाने के लिए विश्व एड्स दिवस के मौके पर जींद के सिविल अस्पताल में शुक्रवार को नेशनल एड्स कंट्रोल सोसायटी ने कार्यक्रम का आयोजन किया। अध्यक्षता सिविल सर्जन डा. गोपाल गोयल ने की। डिप्टी सिविल सर्जन डा. पालेराम कटारिया, डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला, डिप्टी सिविल सर्जन डा. रमेश पांचाल, डा. श्याम सुंदर, डा. विजेंद्र ढांडा, डा. संकल्प आदि भी मौजूद रहे। इस मौके पर खुशी नर्सिंग कालेज की छात्राओं द्वारा हरियाणवी नाटक तथा डांस के माध्यम से एड्स की जानकारी दी गई। सिविल सर्जन डा. गोपाल गोयल ने बताया कि एचआईवी एक ऐसा वायरस है, जो हमारे शरीर में जाकर पनपता है। यह वायरस मनुष्य के शरीर के प्राकृतिक सुरक्षा तंत्र को धीरे-धीरे खत्म कर देता है, जिसके कारण मनुष्य के शरीर में बीमारियों से लड़ने की ताकत नहीं रहती और एक ऐसी स्थिति आ जाती है कि साधारण जुखाम जैसी बीमारी भी असाध्य हो जाती है। केवल जानकारी ही इसका बचाव है।

सर्वे में हुआ था खुलासा- जींद जिले में एड्स के मरीजों की संख्या प्रदेश में सबसे ज्यादा होने का खुलासा एक एनजीओ द्वारा एड्स पर करवाए गए सर्वे में हुआ था। इसके बाद ही स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय ने जींद जिले में एड्स की स्थिति पर नजर रखते हुए इस पर काबू पाने के निर्देश दिए थे।

राजकीय महिला महाविद्यालय बस्ताड़ा (घरौंडा) विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन

करनाल। राजकीय महिला महाविद्यालय बसताड़ा (घरौंडा) में प्राचार्य महेंद्र सिंह बागी व कार्यवाहक प्राचार्य नरेश सिंह के कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन तथा महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉक्टर मीनू आनंद के तत्वाधान में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे कार्यवाहक प्राचार्य ने महाविद्यालय की छात्राओं को सम्बोधित करते हुए बताया कि नीति आयोग के पास भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने का विषयगत दृष्टिकोण है जिसकी जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर भाषण, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम हिमांशी, द्वितीय ललिता तथा तृतीया स्थान गरिमा ने हासिल किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम शालू, द्वितीय स्वेता, तृतीय स्थान नेहा तथा

संजीवनी ने प्राप्त किया। संयोजिका डॉक्टर मीनू आनंद ने छात्राओं को बताया कि भारत विकसित संकल्प यात्रा का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार की योजनाओं को आम जनता तक पहुंचना है ताकि आम जनता इन योजनाओं का लाभ उठा सके व छात्राओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया ढ्ढ साथ ही महाविद्यालय में श्रीमती अपूर्वा संयोजिका रेड क्रॉस सोसाइटी कि देख-रेख में एड्स विश्व एड्स दिवस भी मनाया गया जिसमे सामुदायिक स्वास्थ्य से डॉक्टर ममतेश ने एड्स की जागरूकता व रोकथाम विषय अपना व्याख्यान देते हुए कहा कि एचश आईश्श वीश एड्स एक लाइलाज बीमारी है जिससे जागरूक रहकर ही बचा जा सकता है अंत में डॉक्टर मीनू आनंद ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी स्टाफ सदस्य का धन्यवाद किया। डॉक्टर विक्रम सिंह, श्रीमती अनुराधा, श्रीमती अपूर्वा विशेष तौर पर उपस्थित रहे ।

अहंकार बनता है पतन का सबसे बड़ा कारण: ज्योतिर्मयानंद गिरी

गुरुग्राम। गुरुग्राम के लेजरवैली पार्क में श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव के पांचवें दिन कथावाचक महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी ज्योतिर्मयानंद गिरी महाराज ने भगवान कृष्ण की बाल लीला का वर्णन किया। नटखट कन्हैया ने मिट्टी तो नहीं खाई है इसके लिए जब माता यशोदा ने बाल कृष्ण का मुंह खुलवाया तो मां को उन्हें मुंह में मिट्टी तो नजर नहीं आई लेकिन पूरा ब्रह्मांड जरूर नजर आ गया।

अखंड परमधाम के संस्थापक एवं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र श्रीधाम अयोध्या ट्रस्ट के मुख्य स्थाई सदस्य श्री परमानन्द गिरी जी महाराज के सानिध्य में अखंड परमधाम के मुख्य संरक्षक महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी ज्योतिर्मयानंद गिरी महाराज ने कृष्ण की बाल लीला, माखन चोरी, पूतना मोक्ष, काली निग्रह, गोवर्धन पूजा की कथा सुनाकर लोगों को परम सुख प्राप्त कराया। आज की कथा में मुख्य अतिथि भाजपा नेता बोधराज सीकरी रहे और कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्व हिंदु परिषद के जिला अध्यक्ष अजीत ने की। आज कथा के मुख्य यजमान श्रीमान सुनील यादव वज़ीराबाद रहे।मुख्य अतिथि श्री सीकरी ने कहा कि महाधनवान व्यक्ति वही है जो अपने तन, मन, धन से सेवा भक्ति करे। परमात्मा की प्राप्ति सच्चे प्रेम के द्वारा ही संभव हो

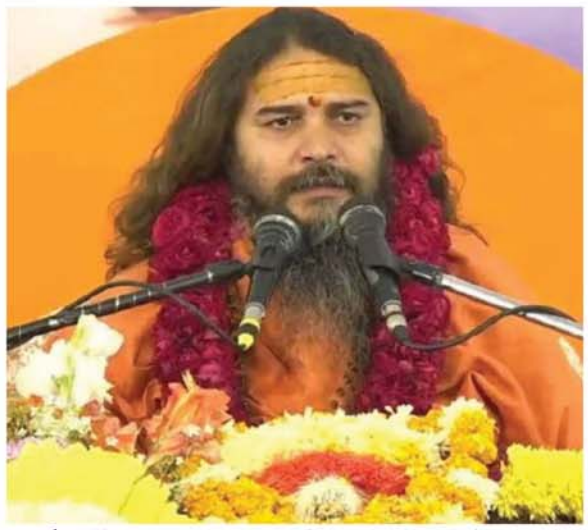

सकती है। उन्होंने कहा कि भागवत कथा का श्रवण करने वालों का सदैव कल्याण होता है और मुक्ति मिलती है।

कथा वाचक आचार्य ज्योतिर्मयानंद गिरी ने बाल लीलाओं पर बोलते हुए बताया कि कंस द्वारा भेजी गई पूतना नाम की राक्षसी का भगवान श्री कृष्ण ने स्तनपान करते-करते ही प्राण पखेरू उड़ गए और उसको मोक्ष दिया। बालक कृष्ण बाल लीलाओं से सभी का मन मोह लेते थे। नटखट स्वभाव के चलते यशोदा मां के पास उनकी हर रोज शिकायत आती थी। मां उन्हें कहती थीं कि प्रतिदिन तुम माखन चुरा के खाया करते हो। तो वह तुरंत मुंह खोलकर मां को दिखा दिया करते थे कि मैंने माखन नहीं खाया। गोपियों को बुरा नही लगता था, वे तो उनके बार बार दर्शन का व्याकुल होकर माता यशोदा के पास शिकायत को पहुंच जाती थीं। श्रीकृष्ण बाल लीला की कथा सुनकर श्रद्धालु भगवान कृष्ण की जयजयकार कर भाव विभोर होकर झूम उठे।

गोवर्धन पूजा की कथा सुनाते हुए आचार्य ने कहा कि इंद्र को अहंकार के चलते अपनी पूजा कराने का बहुत ही शौक था जिसका मान मर्दन कान्हा ने किया और इंद्र द्वारा अतिवृष्टि करने पर गोवर्धन पर्वत उठाकर जीवन को बचाने में महती भूमिका निभाई है। भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र के अभिमान को चूर किया। उन्होंने कहा कि जो सच्चे हृदय से भगवान को याद करते हैं, उन पर उनकी कृपा सदा बनी रहती है। लेकिन वर्तमान में मनुष्यों में धर्म के प्रति दिखावा अधिक है, इससे बचना चाहिए और भगवान को सच्चे हृदय से याद करना चाहिए।

आचार्य ज्योतिर्मयानंद गिरी ने बताया कि भागवत कथा सुनने से ऊर्जा का संचार होता है। जड़-चेतन सब जगह ईश्वर विद्यमान है। प्रत्येक घटना को ईश्वर की लीला मानना भी ईश्वर का ही चिंतन है। उन्होंने कहा कि दूसरों का अहित करने वाले को भगवान कभी क्षमा नहीं करते हैं, इसलिए अपने जीवन में सदैव दूसरों के हित का कार्य करें। जब-जब धरती पर धर्म नष्ट होकर अधर्म बढ़ता है तब-तब भगवान इस धरती पर जन्म लेकर भक्तों का उद्धार करते है।

मुख्य अतिथि बोधराज सीकरी ने कहा कि मनुष्य जीवन विषय वस्तुओं को भोगने के लिए नहीं बना है, लेकिन आज का मानव भगवान की भक्ति छोड़कर विषय वस्तुओं को भोगने में भी लगा हुआ है। जीवन में सदैव दूसरे के भलाई के काम करते रहना चाहिए, व्यक्ति को सपने में भी किसी का अहित नहीं करना चाहिए। यह मानव शरीर जगत कल्याण के लिए मिला है।

कथा में मुख्य रूप से कथा संयोजक गौ सेवा आयोग के वाइस चेयरमैन पूरन यादव, राम नरेश, ,शिक्षाविद इन्दु राव , यशवंत शेखावत,श्रीमती मीनू शर्मा,श्रीमती दीपा ,मांगे राम ।ज्चू गजेन्द्र गोस्वामी,कृष्ण मुरारी शास्त्री,बलजीत यादव , हीरालाल, सुरेश बाबू गोयल, सोने लाल कश्यप, विहिप की ज़िला टोली व प्रमोद शर्मा आदि उपस्थित रहे।

करीब चार दर्जन प्रोजेक्ट्स तय समय पर होंगे पूरे-दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने नेशनल हाईवे और पीडब्ल्यूडी विभाग के 8500 करोड़ रुपए की लागत से तैयार होने वाले करीब चार दर्जन प्रोजेक्ट्स की अधिकारियों के साथ समीक्षा की। इन सभी प्रोजेक्ट्स की 25-25 करोड़ रूपये से अधिक की लागत अनुमानित की गई थी। इनमें मात्र तीन प्रोजेक्ट्स को छोड़कर बाकी सभी परियोजनाएं दी गई समय अवधि में पूरी हो जाएंगी। डिप्टी सीएम ने शुक्रवार को यहां हरियाणा निवास चंडीगढ़ में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि हालांकि वन विभाग की क्लीयरेन्स मिलने में कुछ प्रोजेक्ट्स के शुरू करने में देरी अवश्य हुई है परन्तु हमने तब तक सडकों को चौड़ा करने की बजाए मजबूत करने का कार्य किया है। डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने बताया कि उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए है कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 5000 एकड़ भूमि का लैंड-बैंक तैयार कर लें ताकि प्रोजेक्ट्स के शुरू करने में देरी न हो, वर्तमान में 550 एकड़ भूमि ई-भूमि पोर्टल पर अपलोड कर दी गई है। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने यह भी जानकारी दी कि एनएच-9 और एनएच-51 को जोड़ने वाली 8.5 किलोमीटर लम्बी फोरलेन सड़क (तलवंडी राणा चौक से मिर्जापुर चौक तक) के लिए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने मंजूरी दे दी है, जल्द ही इसका कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कैथल-राजगढ़ रोड पर सिरसौद-बिचपड़ी, चौधरीवास, मुकलान, सच्चा खेड़ा गांवों में एनएचएआई ने बाईपास बनाने की मंजूरी दे दी है, इससे जहां ग्रामीणों

को भारी ट्रैफिक से निजात मिलेगी वहीं संभावित दुर्घटनाओं से भी बचाव होगा। डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने बताया कि जींद शहर और उचाना कस्बा का रिंग रोड बनाया जाएगा, इसकी स्वीकृति मिल गई है। उन्होंने यह भी बताया कि झज्जर जिला के छुछकवास गांव में बाईपास बनाने के लिए 74 प्रतिशत जमीन ई-भूमि पर अपलोड हो चुकी है बाकी भूमि के लिए लोगों को प्रेरित करने के लिए संबंधित क्षेत्र के विधायक से भी अनुरोध किया है। उन्होंने चीका और पुन्हाना बाईपास के लिए की जा रही कार्रवाई बारे भी जानकारी दी।

वन कर्मियों की हड़ताल खत्म, सरकार के साथ बनी सहमति

चंडीगढ़। हरियाणा में वन मजदूरों की चल रही हड़ताल शुक्रवार को विभाग के आला अधिकारियों के साथ एक बैठक के बाद समाप्त हो गई है। बैठक में कई मांगों को लेकर सरकार ने सहमति जताई है। वन विभाग मजदूर यूनियन हरियाणा (सीटू) के बैनर तले प्रदेश के सैकड़ों वन मजदूर अपनी मांगों और समस्याओं को लेकर 28 नवंबर से पंचकूला में अनिश्चितकालीन पड़ाव डाले थे। शुक्रवार को मुख्य वन संरक्षक जगदीश चंद्र ने यूनियन के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की। बैठक में कर्मचारी प्रतिनिधियों की तरफ से वन मजदूर यूनियन से राज्य प्रधान विजय शर्मा, महासचिव रामेश्वर भारद्वाज, नरेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह, तारा चंद, बीर चंद, जगदीश व सीटू राज्य नेता सतीश सेठी शामिल रहे। कई घंटे की बैठक के बाद मस्ट्रोल व ठेकेदार के मजदूरों के छह से आठ महीने के बकाया वेतन की राशि का भुगतान दो किश्तों में करने, भविष्य में समय पर वेतन देने, मजदूर की 60 साल की उम्र पर रिटायरमेंट व दो लाख

रुपये देने का प्रस्ताव सरकार को भेजने तथा वर्दी देने बारे में सरकार को प्रस्ताव भेजने पर सहमति बनी।

इसके अलावा विभागीय अधिकारी इस बात के लिए भी तैयार हो गए कि काम से हटाए गए कर्मचारियों को दोबारा नौकरी पर रखा जाएगा। सभी मजदूरों की वरिष्ठता सूची बनाई जाएगी और ईएसआई के कार्ड जारी होंगे। इस बैठक के बाद कर्मचारियों ने एक महीने के लिए अपना आंदोलन स्थगित करने का ऐलान कर दिया। जनवरी में दोबारा बैठक करके आगामी रणनीति बनाई जाएगी।

नियम तोड़ने पर फैक्टरी सील ब्लीच हाउस को नोटिस जारी

पानीपत। सीएम विंडो में शिकायत मिलने के बाद और नियमों का उल्लंघन करने पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने शुक्रवार को कार्रवाई की और कुराड़ स्थित वाटर जैट की फैक्टरी सील कर दी। जय अंबे नाम से इस फैक्टरी के पास प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कंसेंट (सहमति) नहीं थी। इसके अतिरिक्त अवैध रूप से चल रहे एक ब्लीच हाउस के बाहर क्लोजर का नोटिस चस्पा कर दिया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम का नेतृत्व कर रहे एसडीओ ने बताया कि फैक्ट्री के खिलाफ सीएम विंडों में शिकायत की गई थी। टीम ने जांच की तो पाया कि यहां नियमों का पालन नहीं किया जा रहा। फैक्ट्री संचालक को शोकाज नोटिस भी जारी किया था, लेकिन नोटिस का जवाब नहीं दिया गया। प्रदूषण फैलाने पर फैक्ट्री को सील कर

दिया। इसके अतिरिक्त बोर्ड की टीम ने अवैध रूप से चल रहे एक ब्लीच हाउस के बाहर क्लोजर का नोटिस चस्पा कर दिया। बोर्ड के सीटीओ के बिना चल रहे इस ब्लीच हाउस को सील करने के लिए गए थे, लेकिन ब्लीच हाउस बंद मिला। शायद इसके मालिक को टीम के आने की भनक मिल गई। इससे पहले भी बोर्ड ने पिछले सप्ताह दो ब्लीच हाउसों को सील किया था। फैक्ट्री का कनेक्शन काटने की लिए भी बिजली निगम को पत्र लिखा है।

12 साल से बंद सीवरेज लाइन को खोला

सेक्टर 25 पार्ट -1 में सड़क पर फैक्ट्रियों का पानी एकत्रित होने के कारण मेन रोड पर जगह-जगह गड्ढे हो गये हैं। दो साल पहले रोड को बनाया गया था। पानी की निकासी नहीं होने के कारण सड़क जगह-जगह टूटने लगी। इस मामले में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण को लगातार शिकायतें मिल रही थी कि सीवर जाम पड़े हैं। टीम ने बंद सीवर लाइन का मुआयना किया। सीवरेज को खुलवाया गया। यह सीवरेज 12 वर्षों से बंद पड़ा हुआ था। सीवर खोलने के दौरान पता चला कि एक उद्यमी ने इस सीवरेज लाइन को तोड़कर रोड़े डाल कर बंद कर दिया। इस अवसर पर प्राधिकरण के एसडीओ सूबे सिंह ने बताया कि पब्लिक प्रॉपर्टी के साथ यदि कोई खिलवाड़ करता मिलता है तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी।

पेयजल के लिए बनायी टंकियों की वर्षों से नहीं हुई सफाई

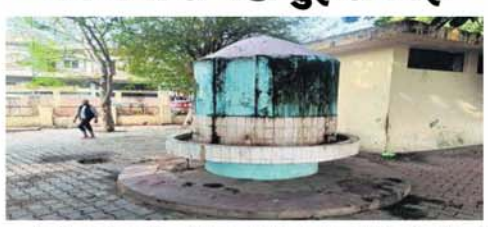

पिहोवा। विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पिहोवा जहां पर प्रतिदिन सैकड़ों यात्री अपने पितरों के अक्षय मोक्ष की कामना करते हैं, अपने घर की सुख समृद्धि भी मांगते हैं, वह आजकल बीमारी की वजह बना हुआ है। सरस्वती तीर्थ के तट पर लगभग 25 -30 वर्ष पूर्व यात्रियों के पीने के पानी की व्यवस्था करते हुए कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड ने पानी की पांच टंकियां बनवाई थीं। जब से इन टंकियां का निर्माण किया गया तब से लेकर आज तक इन टंकियों की सफाई ही नहीं की गई। कोरोना काल में भी इन टंकियों की सफाई नहीं की गई। देख-रेख के अभाव में इन पानी की टंकियां से पानी रिसता रहता है। नशेड़ी इन टंकियों से टूटियां ही उतार कर ले गये। जिस कारण यहां पानी बहता रहता है। इन टंकियां बारे पुरोहित विनोद पचोली, विनोद बजरंगी, रवि कुमार, विनोद कुमार सहित अनेक लोगों से बात की तो उन्होंने बताया कि इन टंकियां का निर्माण वर्ष 1994 या 95 में किया गया था। आज तक इन टंकियों की सफाई नहीं हुई। टूटियों के पास पानी के कारण गंदगी जमी पड़ी है, जो बीमारी का सबब बनी हुई है।

हरियाणा में आठ आईएएस और एक एचसीएस अधिकारियों के स्थानांतरण

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने तत्काल प्रभाव से आठ आईएएस और एक एचसीएस अधिकारी के स्थानांतरण किये हैं। सरकार ने शुक्रवार को जारी आदेशों के अनुसार नूंह के सहायक आयुक्त (प्रशिक्षणाधीन) लक्षित सरीन को नवसृजित पद पर अंबाला उपायुक्त कार्यालय में ओएसडी नियुक्त किया गया है।

इसके अलावा नरेन्द्र कुमार, सहायक आयुक्त (प्रशिक्षणाधीन) हिसार को नवसृजित पद पर उपायुक्त कार्यालय फरीदाबाद में ओएसडी नियुक्त किया गया है। निशा, सहायक आयुक्त (प्रशिक्षणाधीन) अंबाला को नवसृजित पद पर उपायुक्त कार्यालय पंचकुला में ओएसडी नियुक्त किया गया है। सोनू भट्ट, सहायक आयुक्त (प्रशिक्षणाधीन) फरीदाबाद को एक नवसृजित नियुक्ति के स्थान पर उपायुक्त कार्यालय हिसार में ओएसडी नियुक्त किया गया है। विश्वजीत चौधरी, सहायक आयुक्त (प्रशिक्षणाधीन) रोहतक को एक नवसृजित पद के स्थान पर उपायुक्त कार्यालय गुरूग्राम में ओएसडी नियुक्त किया गया है। करनाल के सहायक आयुक्त (प्रशिक्षणाधीन) विवेक आर्य को नवसृजित पद पर उपायुक्त कार्यालय रोहतक में ओएसडी नियुक्त किया गया है। यश जालुका, सहायक आयुक्त (प्रशिक्षणाधीन) सिरसा को नवसृजित पद पर उपायुक्त कार्यालय यमुनानगर में ओएसडी लगाया गया है। डॉ.जयन्दर सिंह छिक्कर, अतिरिक्त उपायुक्त-सह-जिला नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी, चरखी दादरी, अपने वर्तमान कार्यभार के अलावा, जिला नगर आयुक्त, भिवानी और चरखी दादरी का पदभार दिया गया है। एचसीएस अधिकारियों में, वत्सल वशिष्ठ, मुख्य प्रोटोकॉल अधिकारी, गुरूग्राम, अपने वर्तमान कार्यभार के अलावा, अतिरिक्त सीईओ, गुरूग्राम मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी, गुरुग्राम का काम भी देखेंगे।

एड्स से जानकारी ही बचाव है, स्वयंसेवक लोगों को करें जागरूक : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र कल्याण निदेशालय के रेड रिबन क्लब व राट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा मानव श्रंखला बनाकर एड्स के प्रति लोगों को जागरूक किया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सिविल सर्जन, जिला हिसार डॉ. रतना भारती व डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. मुकेश कुमार मौजूद रहें। साथ ही मुख्य वक्ता के रूप में नागरिक अस्पताल, हिसार में ब्लड बैंक के एसएमओ डॉ. सुशील गर्ग उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में युवाओं को एचआईवी, एड्स से बचाव रखने और नशे से दूर करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि लोगों को एचआईवी व एड्स की जानकारी, लक्षण,

इलाज व परहेज सहित अन्य जानकारियों से रूबरू करवाने के लिए विश्व एड्स दिवस को हर साल मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि एड्स कोई संचारी रोग नहीं है, यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्तियों में हस्तांतरण नहीं होता। जबकि यह ऑर्गन डोनेट करने, ब्लड डोनेट करने के समय एड्स प्रभावित डोनर के द्वारा जन्म के समय मां से सीधा बच्चे में फैलता है। जबकि मां से सीधा बच्चे में जाने के चांसेस भी एक प्रतिशत होते हैं। एड्स प्रभावित व्यक्ति में इम्यूनिटी कम हो जाती है जो कि हमारे रोग प्रतिरोधक क्षमता खत्म कर देती है। एचआईवी-1 वायरस इनफेक्शन है, इसकी अलग-अलग तीन स्तर होते हैं। पहली स्तर में इसके लक्षण दिखाई देते हैं, कोई भी छोटी सी बीमारी बड़ा रूप धारण कर लेती है, जैसे कि साधारण सा जुकाम भी प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण ठीक नहीं हो पाता। एचआईवी प्रभावित व्यक्ति को जल्दी टेस्ट करवा लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के विश्व एड्स दिवस का विषय आओ समुदायों का नेतृत्व करें है। जिसका अर्थ है कि सर्वप्रथम हमें स्वयं को जागरूक होना होगा, उसके बाद दूसरे समुदायों को भी साथ लेकर एचआईवी, एड्स व नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करना होगा। तभी हम वैश्विक महामारी एड्स का खात्मा कर सकते हैं। इसके अलावा मुख्यातिथि ने कहा कि एचआईवी व एड्स के प्रति जानकारी प्राप्त करना जरूरी है। तभी हम स्वयं को व समाज को इस जानलेवा बीमारी से बचा सकते हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों व एनसीसी कैडेटों से आह्वान किया कि वे समय-समय पर जागरूकता अभियान के द्वारा उपरोक्त बीमारियों के प्रति दूसरों को सचेत करते रहें।

विशिष्ट अतिथि डॉ. रतना भारती ने बताया कि जैसे-जैसे हमारा देश उन्नति के पथ अग्रसर है वैसे-वैसे हमारे युवा नशा रूपी दलदल में फंसता जा रहा है। युवा नशे का आदी होता जा रहा है। अगर वह नशे के लिए पूंजी का प्रबंध नहीं कर पाता है तो वह अपराधिक घटनाओं को अंजाम देने से भी नहीं कतराता है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में हमारे समाज के शिक्षित वर्ग को आगे आने की जरूरत है ताकि वे समाज से नशे को जड़ से उखाड़ने में मदद कर सकें। उन्होंने बताया कि अगर किसी कारणवश युवा किसी प्रकार के नशे का आदी हो चुका है तो सर्वप्रथम स्वयं की या उसके साथी की जिम्मेदारी होती है कि वह नशे के दुष्परिणामों से अवगत हो, साथ ही समीपवर्ती नागरिक अस्पताल, हिसार में चिकित्सकों से संपर्क कर अपना इलाज करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि हर आयु के वर्ग के लोगों को समय-समय पर अपने रक्त की जांच करवानी चाहिए।

मुख्य वक्ता डॉ. सुशील गर्ग ने एचआईवी व एड्स के बीच अंतर, विभिन्न चरणों, लक्षणों, इलाज संबंधित अनेक जानकारियां डोक्यूमेंट्री के जरिए सभी से साझा की। उन्होंने कहा कि हर वर्ग के लोगों खासतौर पर हमारे युवाओं को एचआईवी-एड्स के बीच अंतर को बारीकी से समझना होगा। पहली बार 1988 में चिह्नित किया गया था।

संपादकीय

तेजस का तेज

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 नवम्बर को बेंगलुरु में हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की साइड पर हल्के लड़ाकू विमान तेजस में उड़ान भरी। उड़ान भरने के बाद प्रधानमंत्री ने काफी गर्व महसूस किया। जिस तेजस विमान की चर्चा फिर से शुरू हुई है उसका अपना सफरनामा काफी संघर्षपूर्ण रहा है। इस विमान को बनाने में 33 वर्ष लग गए। जिस विमान के निर्माण में लगातार बाधाएं आती रही हैं आज उसी विमान के लिए दुनिया लाइन लगाकर खड़ी है। अमेरिका, आस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और फिलीपिन्स समेत छह देशों ने भारत के हल्के लड़ाकू विमान तेजस को खरीदने में रूचि दिखाई है। इसके अलावा अर्जेंटीना, नाइजीरिया और मिस्र को भी तेजस को निर्यात करने की सम्भावनाएं तलाशी जा रही हैं। सबसे पहला सवाल तो शायद आपके मन में यह आ रहा होगा कि भारत ने यह विमान क्यों बनाना शुरू किया? तो इसका सीधा और आसान जवाब यह है कि पिछले पांच दशकों में 400 से ज्यादा मिग–21 विमान क्रेश हुए, जिसकी वजह भारतीय सरकार मिग–21 की जगह कोई दूसरा ऑप्शन तलाश कर रही थी जो मिग–21 से कई मायनों में बेहतर हो और हुआ भी कुछ ऐसा ही। तेजस मिग–21 की जगह लेने में कामयाब हो गया। भारतीय वायु सेना में हल्के विमान शामिल करने की जद्दोजहद साल 1983 में ही हो चुकी थी। सरकार की तरफ से इसका ग्रीन सिग्नल मिलते ही इस पर काम शुरू हो चुका था। उस वक्त साइंटिस्ट्स के सिर्फ दो ही मकसद थे, पहला यह कि मिग–21 की जगह एक बेहतर फाइटर जेट तैयार करना है वहीं दूसरा यह था कि जो विमान तैयार किया जा रहा है वो हल्का भी होना चाहिए, 1983 से लेकर साल 2001 तक इसके पीछे कड़ी मेहनत हुई और जनवरी 2001 में जब देश के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी थे तो इस विमान ने पहली उड़ान भरी थी। इस विमान को बनाने की जद्दोजहद 1983 में ही शुरू हो गई थी लेकिन एक के बाद एक मुछ्सीबतें आती रहीं। पहले 1983 में शुरू की गई। स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के शासनकाल में पोखरण में किए गए परमाणु विस्फोटों के चलते अमेरिका सहित कई देशों ने भारत पर कई प्रतिबंध लगा दिए थे। तब दुनिया दो खेमों में बंटी थी। एक खेमा अमेरिका और दूसरा सोवियत संघ का था। प्रतिबंधों के चलते भारत को कई च्छपकरण मिलना बंद हो गए थे। 1998 में अटल बिहारी के शासनकाल में भारत द्वारा परमाणु परीक्षण के बाद अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों ने इस परियोजना को लगभग रोक दिया था। क्योंकि इससे कुछ आयातित प्रौद्योगिकियों तक पहुंच बंद हो गई थी। इन प्रतिबंधों के चलते परियोजना दो दशक पीछे धकेल दी गई थी लेकिन धीरे–धीरे परिस्थितियां बदलीं। देशों के बीच संबंधों की नई परिभाषाएं गढ़ी गईं। 1983 से लेकर 2001 तक इसके पीछे कड़ी मेहनत हुई और 4 जनवरी 2001 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल घबिहारी वाजपेयी ने इस विमान में पहली उड़ान भरी। अटल बिहारी वाजपेयी ने इस विमान को तेजस का नाम दिया था। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह तेजस विमान को उड़ाने वाले पहले मंत्री बने। तभी उन्होंने देश को रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया था। भारतीय वायुसेना रक्षा मंत्रालय ने अब तक कुल 324 तेजस विमान खरीदने के लिए एचएएल के साथ अनुबंध किया। इस विमान की कई खासियतें हैं। यह विमान स्पीड का सौदागर है। तेजस को एल्युमीनियम, लीथियम एलॉय, कार्बन फाइबर कंपोजिट्स और टाइटेनियम एलॉय स्टील से बनाया गया है। इस वजह से तेजस दूसरे लड़ाकू विमानों की तुलना में काफी हल्का है। इसका वजन केवल 6560 किलोग्राम है। साथ ही इसकी ताकत भी अपनी पीढ़ी के दूसरे विमानों से कम नहीं है। तेजस की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसके 50 फीसदी कलपुर्जे भारत में बने हैं। फरवरी 2019 में इसे एयरफोर्स में शामिल किया गया। तेजस हल्के वजन में बेहद कारगर लड़ाकू विमान है क्योंकि वह 1.6 मैक की स्पीड से उड़ान भरता है। साथ ही इसे लैंडिंग और टेक ऑफ के लिए कम जगह की जरूरत पड़ती है। इसकी वजह से इसके लिए हथियार ले जाना न केवल आसान है बल्कि दुर्गम क्षेत्रों में लैंडिंग और टेक ऑफ में आसानी रहती है। इसमें लगे रडार हवा से हवा और हवा से जमीन दोनों में कारगर हैं। साथ ही यह हर तरह के मौसम में काम करने में सक्षम है। ये सारी खूबियां तेजस को एक अनोखा विमान बनाती हैं जो अपनी पीढ़ी के दूसरे विमानों पर भारी पड़ता है। इन खूबियों की वजह से इसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। मोदी सरकार रक्षा उत्पादों के स्वदेशी उत्पादों पर लगातार जोर दे रही है। अब भारत में ही रक्षा उपकरण के भी निर्माण और निर्यात को बढ़ावा दिया जा रहा है।

तेलंगाना में भी शानदार मतदान

मोहम्मद रिफाकत खां

तेलंगाना इन सभी राज्यों में सबसे युवा राज्य है जिसका गठन 2014 में केन्द्र की डा. मनमोहन सिंह सरकार ने किया था परन्तु इसी साल बाद में हुए विधानसभा चुनावों में यहां क्षेत्रीय नेता श्री चन्द्रशेखर राव की तेलंगाना राष्ट्रीय समिति जीत गई थी।

तेलंगाना में भी धुआंधार मतदान के बाद 3 दिसम्बर को चुनाव परिणामों का इन्तजार देश के हर नागरिक को रहेगा। देश के जिन पांच राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मिजोरम व तेलंगाना में चुनाव हुए हैं उन सभी में इस बार अच्छा मतदान हुआ है जिससे पता चलता है कि मतदाता राजनीति के प्रति लगातार सजग हो रहे हैं। तेलंगाना इन सभी राज्यों में सबसे युवा राज्य है जिसका गठन 2014 में केन्द्र की डा. मनमोहन सिंह सरकार ने किया था परन्तु इसी साल बाद में हुए विधानसभा चुनावों में यहां क्षेत्रीय नेता श्री चन्द्रशेखर राव की तेलंगाना राष्ट्रीय समिति जीत गई थी। इसकी वजह यह समझी गयी थी कि तेलंगाना निर्माण के लिए इस पार्टी ने सड़कों पर संघर्ष किया था और जन आन्दोलन छेड़ा था। तब से अब तक चन्द्रशेखर राव ही इस राज्य के मुख्यमन्त्री चले आ रहे हैं और ऐसा माना जा रहा है कि इस बार के चुनावों में सत्ता विरोधी लहर चली है। इसमें कितना सत्य है, इसका पता तो 3 दिसम्बर को ही चलेगा परन्तु आम जनता का उत्साह चुनाव प्रचार के दौरान जिस तरह देखने को मिला उससे इतना तो कहा ही जा सकता है कि जनता निर्णायक फैसला कांग्रेस अथवा समिति को देने जा रही है। पिछली बार भी यहां के मतदाताओं ने राष्ट्रीय समिति के प्रत्याशियों को जबर्दस्त समर्थन दिया था और 119 सदस्यीय विधानसभा में इसके 88 सदस्य भेज दिये थे। दूसरे नम्बर पर कांग्रेस रही थी जिसके 21 सदस्य चुने गये थे जबकि भाजपा का केवल एक विधायक ही चुना गया था। चुनावी विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार कांग्रेस व राष्ट्रीय सदस्यों की संख्या में भारी बदलाव आ सकता है जबकि भाजपा असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी इत्तेहादे मुसलमीन के बाद चौथे नम्बर पर ही रहेगी। इससे कहा जा सकता है कि असली मुकाबला कांग्रेस व राष्ट्रीय समिति के बीच ही है। तेलंगाना छोटा राज्य है मगर इसकी शहरी जन संख्या 39 प्रतिशत व ग्रामीण जनसंख्या 61 प्रतिशत के लगभग है। इसलिए जिस पार्टी का दबदबा गांवों में होगा अंत में विजयश्री उसी का वरण कर सकती है। पिछली बार राष्ट्रीय समिति को 48 प्रतिशत के लगभग मत मिले थे जबकि कांग्रेस को 32 प्रतिशत के आसपास वोट मिले थे। देखना यह होगा कि इन दोनों पार्टियों के मतों में इस बार कितना अन्तर रहता है और पलड़ा किसके पक्ष में झुकता है। जहां तक पिछली बार के मतदान का सवाल है तो शहरी क्षेत्रों में यह 50 प्रतिशत से भी कम रहा था और ग्रामीण क्षेत्रों में 80 प्रतिशत से भी ऊपर रहा था जिससे औसत मतदान प्रतिशत 73 के करीब रहा था। यह राज्य भी अन्य राज्यों की तरह बता रहा है कि गांवों में रहने वाले और अनपढ़ व गरीब समझे जाने वाले लोग राजनीतिक रूप से अधिक सचेत व बुद्धिमान होते हैं। इससे सकल भारत की राजनीतिक सूझबूझ का ही पता चलता है क्योंकि असली भारत गांवों में ही रहता है। इस राज्य में 85 प्रतिशत जनसंख्या हिन्दुओं की है जबकि मुस्लिम 13 प्रतिशत से कुछ कम और ईसाई 1.2 प्रतिशत हैं। असली लड़ाई में जो भी पार्टियां हैं वे अपने–अपने को किसानों व ग्रामीणों का हितैषी ही बताती हैं। चुनाव परिणाम बतायेंगे कि लोगों ने किस पार्टी को अपना हितैषी समझा है परन्तु इस बार भाजपा इस लड़ाई को त्रिकोणीय बनाना चाहती थी। यह भी देखना होगा कि उसे इस बार कितने प्रतिशत मत मिलते हैं क्योंकि पिछले चुनावों में उसकी सीट बेशक एक थी मगर मत प्रतिशत 12 के आसपास था जबकि इन चुनावों के कुछ महीनों बाद ही हुए लोकसभा चुनावों में भाजपा चार सीटें ले गई थी और इसका मत प्रतिशत भी बढ़कर 18 के आसपास हो गया था। राज्य में एक पार्टी ऐसी भी है जिसका असर केवल राजधानी के क्षेत्र हैदराबाद में ही है। हैदराबाद से विधानसभा की 20 सीटें हैं। इनमें से सात सीटें पिछली बार असदुद्दीन ओवैसी की इत्तेहादे मुसलमीन पार्टी को मिली थीं जबकि कांग्रेस तीन पर जीती थी और बाकी राष्ट्रीय समिति के खाते में गई थीं। ऐसा माना जा रहा है कि यदि इस बार चुनाव परिणामों में बड़ा फेरबदल होता है तो हैदराबाद भी इससे अछूता नहीं रहेगा। मगर चुनावी राजनीति में कभी भी कोई नियम व परंपरा से मतदाता नहीं बंधते हैं क्योंकि वे लोकतन्त्र के असली मालिक और शहंशाह होते हैं। उनके वोट में नेताओं को अर्श से फर्श पर लाने की ताकत होती है जिसे राजनीति में बदलाव कहा जाता है। लोकतन्त्र की विशेषता यह भी होती है कि यह बदलते समय के अनुसार बदलाव मांगता रहता है और इस व्यवस्था में जनता के सामने कभी भी विकल्पों की कमी नहीं रहती क्योंकि भारत बहु राजनैतिक दल व्यवस्था का लोकतन्त्र है।

खेल में खनकती पूंजी

अरविन्द मोहन

विश्वकप क्रिकेट में कमेंटरी करने भारत आए पूर्व आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज रिकी पोंटिंग की यह टिप्पणी अभी भी सोशल मीडिया पर चर्चा और विवाद का विषय बनी है कि आस्ट्रेलिया की फाइनल की जीत शक्रिकेट माफिया के खिलाफ न्याय की जीत है।श उनका इशारा ही नहीं, साफ कहना है कि क्रिकेट पर माफिया काबिज है, वही अधिकांश फैसले कराने लगा है और आस्ट्रेलिया ने अपने खेल के दम पर इसक्रम को पलटा है। इस बयान से उन लोगों की बाछें खिल गई हैं जो गृहमंत्री अमित शाह और भारतीय क्रिकेट प्रशासन पर हावी जमात के आलोचक रहे हैं। यह आलोचना अभी से नहीं डालमिया, बिन्द्रा और पवार राज के दिनों से हो रही है और इधर यह शोर बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर भारतीय क्रिकेट और क्रिकेट प्रशासन का दबदबा बढ़ा है–निश्चित रूप से बढ़ा है, भारत की मर्जी के खिलाफ ज्यादा उल्टा फैसला होना बंद हुआ है। ऐसा भारत में क्रिकेट के बढ़ने, लोकप्रिय होने और क्रिकेट में बाजार की तरफ से भारी पैसा आने की वजह से ज्यादा हुआ है, किसी माफिया के चलते उतना नहीं। स्वयं पोंटिंग से लेकर आस्ट्रेलिया के ही नहीं, दुनिया के सारे बड़े खिलाड़ियों का इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने को लालायित रहना इसका ही प्रमाण है। जब से यह बदलाव हुआ है तब से भारत का माफिया प्रभावी हुआ हो या नहीं, भारतीय क्रिकेट प्रशासकों का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से जुड़े फैसलों पर दबदबा बना है या नहीं, लेकिन इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों के क्रिकेट प्रशासकों का दबदबा खत्म जरूर हुआ है। भारत ही नहीं तीसरी दुनिया के कमजोर देशों के क्रिकेट प्रशासकों और खिलाड़ियों को उस दबदबे के चलते क्या–क्या भुगतना पड़ा है इसका किस्सा लिखना शुरू हो तो पूरा पुराण बन जाएगा। अपने अनुकूल पिच बनाने जैसी आलोचना तो बहुत ही हल्की है। अब ऐसा भी नहीं है कि क्रिकेट प्रशासन बहुत लोकतान्त्रिक ढंग से चलता हो या वहां सारा कुछ पाक–साफ ही हो। इस बार ही आयोजन स्थल, मैदान, खेल के दिन से लेकर टिकट की ब्लैकमेलिंग और होटल या विमान भाड़ा तक में जो–जो हुआ उसे श्हेल्दी हैबिटश तो कदापि नहीं कहा जा सकता। खिलाड़ियों से ज्यादा क्रिकेट प्रशासकों की अय्याशी की भी चर्चा खेल के लिए स्वस्थ नहीं है। क्रिकेट के प्रसारण राइट्स की कहानी भी गंदली है और दर्शक बढ़ने का ज्यादा लाभ खिलाड़ी और प्रशासन की जगह बाजार उठाता जा रहा है। इसी का प्रमाण है कि भारत के अंदर भी नेट के जरिए मैच देखनेधदिखाने का कारोबार सामान्य टीवी प्रसारण से अलग किया गया है। तब भी वहां साढ़े पांच करोड़ तक दर्शक पहुंचे ही नहीं हैं, ज्यादा समय तक क्रिकेट देखने का रिकार्ड भी दर्ज हो रहाहै। दसियों भाषाओं में कमेंटरी हो रही है। दस सेकेंड के विज्ञापन का रेट तीस लाख रुपए तक पहुंचने की चर्चा है। एक फोटो इस्तेमाल करने की कीमत चुकानी पड़ती है। क्रिकेटरों के बल्ले से लेकर वर्दी तक पर कितनी कंपनियों के विज्ञापन का बोझ होता है इसकी गिनती मुश्किल हो गई है। कैमरा कहां फोकस करे इसको लेकर झगड़ा होता है। क्रिकेट दिखाने का सामान्य शिष्टाचार पीछे चला गया है। बाजार और ब्रांड के अलावा पर्सनल खुराक और ट्रेनर भी ब्रांड बनाते जा रहे हैं। कमेंटेटरों तक को मिलने वाले पैसे आंख फाड़ने वाले हैं, उपहार और अन्य सुविधाओं का तो हिसाब ही अलग है। अलबत्ता, क्रिकेट प्रसारकों को भारत के फाइनल में हारने से ही नहीं,धमाकेदार ढंग से लगातार दस मैच जीतकर फाइनल पहुंचने से भी शिकायत रही है। भारतीय गेंदबाज इस बार फाइनल के अलावा लगभग सभी मैचों में सफल रहे और पूरे पचास ओवर की जगह छब्बीस, सत्ताईस ओवर में ही विपक्षी दल को समेट देते थे। विपक्ष के कम स्कोर को धमाकेदार भारतीय बल्लेबाज पचीस–तीस ओवर में ही पूरा कर लेते थे। ऐसा प्रतियोगिता के ज्यादातर मैचों में हुआ और नजदीकी मुकाबले देखने के लिए दर्शक भी तरसे। ऐसे मुकाबलों में बाजार के लोगों को विज्ञापन के लिए कम समय मिलता है। अगर पचास ओवर की पारी चालीस ओवर से पहले निपट जाए तो 7000 से लेकर 7500 सेकेंड के विज्ञापन समय का नुकसान होता है। यह समय श्कीमतीश है और यह नुकसान बड़ा। जब विश्वकप और उससे पहले हुए एशिया कप के मुकाबलों (वैसे यह टूर्नामेंट बारिश के चलते बहुत बाधित हुआ) ने श्राद्ध–पक्ष में भी टीवी की रिकार्ड बिक्री से धमाकेदार शुरूआत करा दी थी तो बाजार की उम्मीद काफी होना स्वाभाविक है। उसने बेमौसम कोल्ड ड्रिंक की बिक्री बढ़ाने का अनुभव किया तो कोल्ड ड्रिंक के नए विज्ञापन ही नहीं बढ़े, दो–तीन ब्रांड भी बहुत धूम–धड़ाके से लांच कर दिए गए। इस बार स्टेडियम ही नहीं सड़कों पर भी भारतीय जर्सी का रंग छाया रहा, पर उससे ज्यादा सड़क के किनारे सस्ते ब्रांड और आनलाइन बिक्री में ब्रांडेड माल की धूम रही। देश में सौ करोड़ की एक ब्रांड की जर्सी बिकने का अंदाजा है। आनलाइन बुकिंग में आठ–नौ गुना तक ज्यादा मांग आई है, पर कहना होगा कि फाइनल की हार ने इस धूम–धड़ाके पर रोक ही नहीं लगाई, इसकी चर्चा भी बंद करा दी है। इन ब्रांडों से ज्यादा नुकसान क्रिकेट को यहां तक पहुंचाने वाले खिलाड़ियों की कमाई में हो गया लगता है। जिस विराट कोहली और रोहित शर्मा ने बल्ले से धूम मचाई, उनका ब्रांड मूल्य या विज्ञापनों की संख्या में ज्यादा वृद्धि का अनुमान नहीं है। यह तब है जब विराट ने अपनी पुरानी मार्केटिंग कंपनी से करार तोड़कर नई कंपनी से करार किया था जिससे नए रेट पाने में आसानी होगी। वैसे अकेले उनकी ही कमाई डेढ़ हजार करोड़ के करीब है। बाकी तो इस प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा धूम मचाने वाले मोहम्मद समी को अभी तक कोई बड़ा ब्रांड नहीं मिला है और बाजार के जानकार मानते हैं।

मेष :– आज कुछ अच्छे आसारों से मन प्रफुल्लित रहेगा। रोजगार संबंधी यात्रा में अवरोध संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार है। शिक्षा क्षेत्र में जुड़े सभी छात्रों को परिश्रम करने की आवश्यकता है।

बृषभ :– स्वयं पर भरोसा कर योजनाओं को सुचारु रूप से क्रियान्वित करें। संबंधों में सरल व व्यवहारिक बनने की कोशिश करें। आर्थिक चिंता संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार हैं।

मिथुन :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में अवरोध मन को हतोत्साहित करेगा। संबंधों के प्रति नयी शिकायतें संभव। किसी विद्वान के विचारों से प्रभावित मन मे उत्साह का संचार होगा। क्रोध पर नियंत्रणरखें।

कर्क :– कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा–प्रतियोगिता के दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव। पत्नी के स्वास्य का ध्यान रखें।

सिंह :– किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा।

कन्या :– समस्याओं के समाधान हेतु मन नए युक्तियों पर केन्द्रित होगा। महत्वपूर्ण कायरे के प्रति आलस्य न करें। छोटी–छोटी बातों पर क्रोधित न हो। शिक्षा–प्रतियोगिता के दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा।

तुला :– मन सकारात्मक विचारों से प्रभावित होगा। नाजुक संबंधों में सन्तुलित व मधुर वाणी का प्रयोग करें। कोई आपका अपना बिगड़े हुए सम्बन्धों मे सुधार कराएगा। किसी कार्य से संपन्न होने के आसार हैं।

वृश्चिक :– सभी प्रकार के दायित्वों की पूर्ति हेतु सन्तुलित योजना पर चलें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में संबंधों का सहयोग प्राप्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कठिनाइयां संभव। मधुर वाणी का प्रयोग करें।

धनु :– नए समीकरण लाभकारी कार्य क्षमता के परिचायक होंगे। प्रणय सम्बनध मे प्रगाढ़ता बढ़ेगी। आय–व्यय मे सन्तुलन बनने का प्रयत्न करें। आलस्य का त्याग करें। रोजगार के अवसर सुलभ होंगे।

मकर :– कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा–प्रतियोगिता के दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव। कटु शब्दों का प्रयोग न करें।

कुंभ :– पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर आप उत्साहित होंगे। नियोजित कार्यकुशलता प्रगति के लिए आशान्वित होंगे।

खनिज तेल आपूर्ति में कटौती का सवाल, सभी निगाहें ओपेक की बैठक पर

के रवीन्द्रन

मामूली वृद्धि दर्ज करने के बाद, सप्ताहों में इस तरह की पहली बढ़ोतरी, ओपेक द्वारा अफ्रीकी देशों में उत्पादन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मंत्री स्तरीय बैठक को 30 नवंबर तक स्थगित करने के बाद सप्ताह के मध्य में कीमतों में गिरावट आई।

तेल बाजार इस सप्ताह आगामी ओपेक बैठक के नतीजों का बेसब्री से इंतजार कर रहा है जिसकी 26 नवम्बर की बैठक को आंतरिक समस्याओं के कारण स्थगित करना पड़ा था। यह बैठक उत्पादक और आयातक दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से इस आकलन के बीच कि एक नये उत्पादन में कटौती पर समझौता चुनौतीपूर्ण होने वाला है? हालांकि ओपेक की बैठकें पहले भी स्थगित की जा चुकी हैं, लेकिन यह पहली बार है कि यह स्थगन इतने दिनों तक चला है। स्थगन के कारण ही कच्चे तेल की कीमतों में 4 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। सप्ताह की शुरुआत में क्रूड की कीमतें लगभग 74.70 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रही थीं, जबकि ब्रेंट क्रूड गिरकर लगभग 80 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया था। मामूली वृद्धि दर्ज करने के बाद, सप्ताहों में इस तरह की पहली बढ़ोतरी, ओपेक द्वारा अफ्रीकी देशों में उत्पादन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मंत्री स्तरीय बैठक को 30 नवंबर तक स्थगित करने के बाद सप्ताह के मध्य में कीमतों में गिरावट आई। यह स्थगन ओपेक समूह के भीतर उत्पादन में कटौती के समझौते पर पहुंचने में कठिनाइयों का संकेत देता है। प्रत्येक सदस्य देश 2024 में कीमतों का समर्थन करने के लिए उत्पादन में कमी करने की आवश्यकता को स्वीकार करता है, लेकिन सवाल यह है कि आपूर्ति में कटौती का बोझ कैसे साझा किया जाये। यह माना जाता है कि आगे की कटौती के बिना, कीमतें 2024 तक 80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहेंगी। जून 2023 में तय किये गये 2024 उत्पादन कोटा में 23 सदस्य देशों में से नौ के लिए कम उत्पादन लक्ष्य शामिल था, जो रूस, नाइजीरिया, अंगोला, मलेशिया, अजरबैजान, इक्वेटोरियल गिनी, कांगो, ब्रूनेई और सूडान हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन देशों के लिए कम उत्पादन कोटा स्वीकार करना भी मुश्किल होगा। हालांकि, चुनौतियों के बावजूद, तेल बाजार विशेषज्ञ रिस्टैड एनर्जी को उम्मीद है कि ओपेक आगामी बैठक में उत्पादन कम करने के समझौते पर पहुंचेगा। इसमें संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और इराक जैसे सदस्यों से आगे स्वैच्छिक कटौती शामिल हो सकती है। वहीं, रिस्टैड गतिरोध की संभावना से इनकार करने को तैयार नहीं हैं। इस बात को लेकर काफी उम्मीदें हैं कि सरगना सऊदी अरब प्रतिदिन 1 मिलियन बैरल (बीपीडी) की स्वैच्छिक कच्चे तेल उत्पादन में कटौती पर क्या निर्णय लेता है। चाहे वे कोई भी रास्ता अपनाएं, उत्पादन में कटौती पर सऊदी अरब का निर्णय अंततरू वैश्विक तेल कीमतों के अल्पकालिक भविष्य को आकार देगा। राज्य आपूर्ति को सीमित करके कीमतें ऊंची रखने की इच्छा को इस ज्ञान के साथ संतुलित कर रहा है कि ऐसा करने से समग्र बाजार हिस्सेदारी में और गिरावट आयेगी। हाल की कीमत में गिरावट इस बात का संकेतक हो सकती है कि ओपेक बैठक में क्या उम्मीद की जा सकती है, क्योंकि सऊदी ने बार–बार प्रदर्शित किया है कि उनका मूल्य स्तर 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर है। सऊदी अरब ने उस बैठक के मौके पर अपनी स्वैच्छिक कटौती की घोषणा की, शुरुआत में जुलाई के लिए 1 मिलियन–बीपीडी उत्पादन कटौती की प्रतिबद्धता जताई। इसके बाद इसे मासिक आधार पर अगस्त और सितंबर तक बढ़ा दिया गया, जबकि सितंबर की शुरुआत में, रियाद ने इस साल के अंत तक विस्तार की घोषणा की। तेल बाजार यह देखना चाहेंगे कि क्या सऊदी अरब इन कटौती को 2024 तक बढ़ाता है या वह इन्हें धीरे–धीरे कम करना चाहता है या इस साल के अंत में इन्हें समाप्त होने देता है। चाहे जो भी हो, सऊदी अरब के फैसले का तेल बाजारों और विशेष रूप से अगले साल तेल की कीमत पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। रिस्टैड एनर्जी का मानना है कि सऊदी स्वैच्छिक कटौती को 2024 तक नहीं बढ़ाया जायेगा, क्योंकि आपूर्ति में आश्चर्यजनक वृद्धि हुई है, जो अगले साल की पहली तिमाही के लिए संतुलित बाजार का संकेत है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि दूसरी तिमाही में 600,000 बीपीडी से अधिक का बाजार अधिशेष दिखाई दे रहा है। आगे बढ़ते हुए, अगले वर्ष की दूसरी छमाही में लगभग 450,000 बीपीडी की कमी होने की उम्मीद है। कुल मिलाकर, रिस्टैड को उम्मीद है कि इस साल लगभग 1.2 मिलियन के महत्वपूर्ण घाटे की तुलना में 2024 में तेल बाजार काफी संतुलित रहेगा। हाल के सप्ताहों में तेल की कीमत पर गिरावट का दबाव बढ़ गया है, अत्यधिक आपूर्ति की चिंताओं के कारण भारी बिकवाली के कारण कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे गिर गई हैं। यह अक्टूबर की शुरुआत में शुरू हुए इजराइल–हमास संघर्ष के फैलने के ठीक बाद तेल की कीमत के स्तर से काफी नीचे है, जब कीमतें लगभग 95 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं। मंदी की उम्मीदों को और अधिक बल दे रहे हैं। हाल के आंकड़े जिससे पता चलता है कि अमेरिकी वाणिज्यिक कच्चे माल की सूची पिछले चार हफ्तों में बढ़ी है और अब यह 440 मिलियन बैरल है, जो एक महीने पहले 420 मिलियन बैरल से अधिक था।

मोहम्मद शमी के टखने में चोट, मुंबई में 'स्पोर्ट्स ऑर्थोपेडिक' से करवा रहे इलाज

नई दिल्ली । स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को टखने में परेशानी हो रही है जिसके उपचार की जरूरत है और भारतीय टीम प्रबंधन उम्मीद लगाये है कि वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 26 दिसंबर से सेंचुरियन में शुरू हो रहे पहले टेस्ट के लिए समय पर फिट हो जाएंगे। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) की विज्ञप्ति में शमी को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है लेकिन इसमें उनके नाम के साथ 'स्टार' का निशान लगा हुआ है कि वह इस समय उपचार करा रहे हैं और उनकी उपलब्धता फिटनेस पर निर्भर करेगी। हालांकि उनकी चोट की गंभीरता या प्रकार पर कोई सूचना नहीं दी गयी है कि यह उन्हें मैदान पर लगी या यह फिटनेस संबंधित है। लेकिन पता चला है कि शमी टखने की समस्या के उपचार के लिए मुंबई में 'स्पोर्ट्स ऑर्थोपेडिक' से सलाह ले रहे थे। इसकी जानकारी रखने वाले बीसीसीआई के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर कहा कि यह मैदान पर लगी चोट नहीं है। उनके टखने में कुछ समस्या हो रही है। शमी डॉक्टरों की सलाह के लिए मुंबई आए। वह रिहैबिलिटेशन और इसके उपचार के लिए एनसीए भी जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर शमी के 'बॉक्सिंग डे टेस्ट' के लिए समय पर ठीक होने की संभावना नहीं होती तो राष्ट्रीय चयनकर्ता उन्हें नहीं चुनते।

अभिनेत्री पायल घोष के बड़े आरोप- गौतम गंभीर करते थे मिस्डकॉल, पठान से भी था अफेयर

नई दिल्ली । वनडे विश्व कप के दौरान भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी से शादी करने की इच्छा जताकर सुर्खियों में आई अभिनेत्री पायल घोष ने 1 दिसम्बर को सुबह-सुबह एक के बाद एक कई एक्स पोस्ट करके नई सनसनी फैला दी। पायल घोष ने पहले यह कहा कि उन्होंने शमी से शादी करने की बात मजाक में कही थी। इसके बाद उन्होंने कहा कि गौतम गंभीर उनको रोज मिस्ड कॉल दिया करते थे। एक्स पर पायल ने एक यूजर को जवाब देते हुए कहा कि अरे भाई, मैंने एक मजाक में ट्वीट किया था। मुझे कोई शमी-वमी से शादी नहीं करनी, मुझे नॉर्मल लाइफ चाहिए। और यह भी सुन लो मैंने इरफान पठान को 5 साल तक डेट किया। फिर सब खत्म हो गया। मैं इतनी आसानी से किसी पर भरोसा नहीं करती। पायल ने आगे कहा कि मेरे पीछे गौतम गंभीर और अक्षय कुमार सब पड़े हुए थे लेकिन मैं प्यार सिर्फ इरफान पठान से करती थी। मुझे उसके अलावा कोई और दिखता ही नहीं था और मैं इरफान को सब के बारे में भी बोलती थी, सबके मिस्ड कॉल दिखाती थी। मैंने बस इरफान से प्यार किया, और किसी से भी नहीं। अनुराग कश्यप ने मेरा रेप किया। अक्षय कुमार ने मेरे साथ कोई बदतमीजी नहीं की, इतना बड़ा स्टार है...इसके लिए मैं हमेशा उनका सम्मान करूंगी। अक्षय कुमार की जूती भी नहीं है अनुराग।

महिला जूनियर हॉकी विश्व कप में जर्मनी से हारी भारतीय टीम

सैंटियागो । दो गोल की बढत बनाने के बावजूद भारतीय टीम एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप के रोमांचक मुकाबले में पिछली उपविजेता जर्मनी से 3-4 से हार गई। भारत के लिए अनु (11वां मिनट), रोपनी कुमारी (14वां मिनट) और मुमताज खान (24वां मिनट) ने गोल किये जबकि जर्मनी के लिये सोफिया श्वाबे (17वां), लौरा प्लथ (21वां और 36वां) और कैरोलिन सेइडेल (38वां) ने गोल दागे। पहले मैच में कनाडा को 12.0 से हराने वाली भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में दबदबा बना लिया और जर्मनी की रक्षापंक्ति को खासा परेशान किया। इन हमलों के बीच भारत को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले और दूसरे पर अनु ने गोल करके टीम को बढत दिलाई। इसके तीन मिनट बाद रोपनी ने गोल करके पहले क्वार्टर में भारत की बढ़त 2.0 की कर दी। दूसरे क्वार्टर में जर्मनी के लिए सोफिया ने दूसरे ही मिनट में फील्ड गोल दागा। वहीं लौरा ने बराबरी का गोल किया। मुमताज ने हालांकि 24वें मिनट में गोल करके हाफटाइम तक भारत को फिर 3.2 की बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर में भारत का जोर गेंद पर नियंत्रण बनाये रखने पर रहा जबकि जर्मनी ने बराबरी का गोल दाग दिया।

डब्ल्यूपीएल : प्लेयर ऑक्शन में शामिल होंगे 165 क्रिकेटर, इनमें 104 भारतीय और 61 विदेशी खिलाड़ी

नई दिल्ली। टाटा महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के दूसरे संस्करण के लिए मुंबई में 09 दिसंबर को होने वाले प्लेयर ऑक्शन में कुल 165 क्रिकेटर शामिल होंगे। 165 खिलाड़ियों में से 104 भारतीय और 61 विदेशी खिलाड़ी हैं, जिनमें से 15 खिलाड़ी एसोसिएट देशों से हैं। कुल कैप्ड खिलाड़ी 56 और अनकैप्ड खिलाड़ी 109 हैं।

पांच टीमों के पास अधिकतम 30 स्लॉट उपलब्ध हैं, जिसमें 9 स्थान विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं। इन 30 स्लॉटों में दिल्ली के पास चार (1 ओवरसीज) स्लॉट उपलब्ध हैं। वहीं, गुजरात के पास सबसे ज्यादा 10 स्लॉट हैं, जिनमें 3 ओवरसीज हैं। इसके अलावा मुंबई के पास 5 (1 ओवरसीज), आरसीबी के पास 7 (3 ओवरसीज) और यूपी के पास 5 (1 ओवरसीज) स्लॉट उपलब्ध हैं। 50 लाख रुपये उच्चतम आरक्षित मूल्य है, जिसमें 2 खिलाड़ी - डींड्रा डॉटिन और किम गर्थ शामिल हैं। चार खिलाड़ी अन्नाबेल सदरलैंड,जार्जिया वेयरहेम, एमी जोन्स और शबनीम इस्माइल 40 लाख रुपये के आधार मूल्य के साथ नीलामी सूची में हैं।

ऑस्ट्रेलिया के विश्व कप विजेता खिलाड़ियों ने बेस प्राइज 2 करोड़ किया

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के विश्व कप जीत के नायक रहे ट्रेविस हेड, पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क ने 19 दिसंबर को दुबई में होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी के लिए अपने-अपने 'बेस प्राइस' (आधार मूल्य) को 2 करोड़ रुपए के उच्चतम 'ब्रैकेट' (सूची) में रखा है। इस ब्रैकेट में भारतीय टीम से बाहर हुए तेज गेंदबाज हर्षल पटेल और उमेश यादव के साथ बल्लेबाज केदार जाधव भी है। फ्रेंचाइजी को 1166 खिलाड़ियों की सूची भेजी गई है जिन्होंने इस नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है। सभी टीमों को मिलाकर इस 'मिनी'नीलामी में 77 खिलाड़ियों पर सफल बोली लग सकती है जिसमें से 30 विदेशी खिलाड़ी होंगे। इस नीलामी में फ्रेंचाइजी टीमें 262.95 करोड़ रुपए खर्च कर सकती हैं। विश्व कप के दौरान अपनी बल्लेबाजी से सभी को चौंकाने वाले न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र की आधार कीमत 50 लाख रुपए है, लेकिन उनके लिए बड़ी बोली लगने की संभावना है। भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपना पहला शतक जड़ने वाले जोस इंग्लिस, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड भी शीर्ष ब्रैकेट में हैं दक्षिण अफ्रीका की नयी तेज गेंदबाजी सनसनी गेराल्ड कोएत्जी और खतरनाक बल्लेबाज रासी वान डेर डुसेन भी 2 करोड़ रुपए के ब्रैकेट में है। दुनिया के शीर्ष कलाई के स्पिनरों में से एक वानिंदु हसरंगा 1.5 करोड़ रुपए के ब्रैकेट में हैं। उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर द्वारा रिलीज किया गया है।

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट से कोर्ट में वापसी करेंगे राफेल नडाल

मैड्रिड। 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन राफेल नडाल जनवरी में ऑस्ट्रेलिया में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट से कोर्ट में वापसी करेंगे। नडाल ने सोशल मीडिया के जरिये उक्त जानकारी दी।

नडाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, एक साल तक प्रतिस्पर्धा न करने के बाद, अब वापस आने का समय आ गया है। यह जनवरी के पहले सप्ताह में ब्रिस्बेन में होगा। वहां मिलते हैं।37 वर्षीय स्पेनिश दिग्गज को पिछले जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में कूल्हे के फ्लेक्सर में चोट लग गई थी और उन्हें हार का सामना करना पड़ा था, तब से वह टेनिस कोर्ट से दूर हैं। मई में, फ्रेंच ओपन की शुरुआत से एक सप्ताह से थोड़ा अधिक पहले, नडाल ने घोषणा की कि वह उस टूर्नामेंट को मिस करेंगे जिसे उन्होंने रिकॉर्ड 14 बार जीता है और यह बिल्कुल निश्चित नहीं था कि वह खेलने के लिए कब लौटेंगे।

नडाल ने तब कहा था कि उन्हें 2024 में प्रतिस्पर्धा करने की उम्मीद है, जो उनका अंतिम सीज़न होगा। नडाल ने उस समय एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, आप कभी नहीं जानते कि चीजें कैसे होंगी, लेकिन मेरा इरादा है कि अगला साल मेरा आखिरी साल होगा। जून में बार्सिलोना में उनकी आर्थोस्कोपिक सर्जरी हुई। 2022 के अंत तक, उन्होंने अपने पिछले नौ मैचों में से सात मैच गंवाए हैं। नडाल सर्वाधिक ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। उनके नाम 22 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब हैं, पहले नंबर पर नोवाक जोकोविच हैं, जिनके नाम 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब हैं।

टी20 विश्व कप 2024 तक कप्तान रहें रोहित, रहाणे और पुजारा के भविष्य पर भी बोले गांगुली

कोलकाता। वनडे विश्व कप में रोहित शर्मा की कप्तानी से प्रभावित पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि उन्हें कम से कम अगले साल टी20 विश्व कप तक भारत का कप्तान बने रहना चाहिए। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम लगातार दस मैच जीतकर विश्व कप के फाइनल में पहुंची जहां उसे ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट से हराया। रोहित और विराट कोहली ने दस दिसंबर से दक्षिण अफ्रीका में होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला से ब्रेक लिया है। गांगुली ने कहा कि दोनों को आराम की जरूरत है ताकि आगे के व्यस्त कार्यक्रम के लिए तरोताजा रहें। उन्होंने यहां एक प्रचार कार्यक्रम से इतर कहा, 'रोहित को सभी प्रारूपों में लौटने के बाद भारत की कप्तानी करनी चाहिए क्योंकि उसने विश्व कप में इतना शानदार प्रदर्शन किया।' उन्होंने कहा, 'विश्व कप में आपने देखा कि उन्होंने कैसा खेला। वे भारतीय क्रिकेट का अभिन्न अंग हैं।'

रोहित और विराट ने 2022 टी20 विश्व कप के बाद से टी20 क्रिकेट नहीं खेला है। उसके बाद से हार्दिक पांड्या भारत के टी20 कप्तान हैं लेकिन उनके चोटिल होने से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सूर्यकुमार यादव कप्तानी कर रहे हैं। गांगुली ने कहा, 'द्विपक्षीय श्रृंखला से अलग है क्योंकि दबाव अलग है। इस विश्व कप में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया और छह सात महीने बाद वेस्टइंडीज में भी उसे दोहराएंगे। रोहित एक लीडर है और मुझे उम्मीद है कि वह टी20 विश्व कप में भी कप्तान होगा।' बीसीसीआई ने मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के कार्यकाल में भी कम से कम टी20 विश्व कप तक विस्तार किया है हालांकि अभी उनके कार्यकाल का खुलासा नहीं हुआ है। गांगुली के बीसीसीआई अध्यक्ष रहते हुए ही द्रविड़ कोच बने थे और उनके कार्यकाल में विस्तार पर गांगुली ने खुशी जताई।

रमीज राजा ने सलमान बट की नियुक्ति को लेकर पीसीबी पर साधा निशाना

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान रमीज राजा ने दागी पूर्व क्रिकेटर सलमान बट को सलाहकार के रूप में नियुक्त करने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की आलोचना की है। पीसीबी ने कामरान अकमल और राव इफ्तिखार अंजुम के साथ मुख्य चयनकर्ता वहाब रियाज के सलाहकार सदस्य के रूप में सलमान बट को नियुक्त किया है। इस नियुक्ति पर रमीज ने क्रिकबज से बातचीत में कहा, यह पागलपन है...। रमीज अकमल की नियुक्ति के भी आलोचक थे।पीसीबी ने एक विज्ञप्ति में कहा, तीनों ने तत्काल प्रभाव से चयन पैनल में अपनी जिम्मेदारियां संभाल ली हैं। मुख्य चयनकर्ता के सलाहकार सदस्यों के रूप में उनके पहले कार्यभार में न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20ई श्रृंखला शामिल है, जो ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट दौरे के समापन के बाद 12 जनवरी 2024 को शुरू होने वाली है। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और पूर्व पीसीबी अध्यक्ष रमीज ने कहा, एक ऐसी चयन समिति का होना पागलपन है जिसमें एक ऐसा सदस्य शामिल हो, जिसके फैसले को पुत्रवत स्नेह जैसा कहा जा सकता है और दूसरा जो मैच फिक्सिंग के लिए जेल में बंद था। रमीज मुख्यधारा के दागी क्रिकेटरों को किसी भी तरह की माफी के खिलाफ रहे हैं। जब तेज गेंदबाज को राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया तो वह मोहम्मद आमिर के चयन के खिलाफ मुखर थे। रमीज ने 2020 में कहा था, आप मुझसे पूछें, मैं कहूंगा कि इन दागी क्रिकेटरों को अपनी किराने की दुकानें खोलनी चाहिए। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि बड़े नामों को रियायतें देने से पाकिस्तान क्रिकेट को भी नुकसान होता है। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बट (39) आमिर और मोहम्मद आसिफ के साथ 2010 के स्पॉट फिक्सिंग-कांड में शामिल थे। बट, जिन्होंने 33 टेस्ट, 78 वनडे और 24 टी20 मैच खेले थे, पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 10 साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया था और उन्हें यूनाइटेड किंगडम में जेल की सजा भी काटनी पड़ी थी। अकमल उमर के भाई हैं जिन पर भ्रष्टाचार के मामले की रिपोर्ट नहीं करने के कारण पीसीबी ने प्रतिबंध लगा दिया था। अकमल ने हमेशा अपने भाई का समर्थन किया है। रमीज को भ्रष्टाचार के मामले में कट्टरपंथी माना जाता है, लेकिन पाकिस्तान में प्रतिवाद यह है कि बट ने अपनी सजा काट ली है और उन्हें दूसरा मौका मिलना चाहिए। उन्हें प्रतिभा पर नजर रखने के लिए भी जाना जाता है।

राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप : पंघाल और थापा सेमीफाइनल में पहुंचे

शिलॉग। विश्व चैम्पियनशिप के उपविजेता अमित पंघाल (51 किलो) और 2021 एशियाई चैम्पियन संजीत (92 किलो) ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और एसएससीबी के 12 मुक्केबाजों ने पुरूषों की राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

छह बार के एशियाई चैम्पियनशिप पदक विजेता शिवा थापा भी अंतिम चार में पहुंच गए। उन्होंने दिल्ली के शशांक प्रधान को 5.0 से हराया और अब उनका सामना महाराष्ट्र के हरिवंश तिवारी से होगा। पंघाल ने जम्मू कश्मीर के मोहम्मद आरिफ को सर्वसम्मति से लिये गए फैसले पर हराया। अब उनका सामना आरएसपीबी के अंकित से होगा। संजीत ने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता आरएसपीबी के नमन तंवर को 92 किलोवर्ग के क्वार्टर फाइनल में हराया। अब उनका सामना अखिल भारतीय पुलिस के विकी से होगा।

एसएससीबी के बरूण सिंह (48 किलो), पवन (54 किलो), सचिन (57 किलो), आकाश (60 किलो), वंशज (63.5 किलो), रजत (67 किलो), आकाश (71 किलो), दीपक (75 किलो), लक्ष्य (80 किलो) और जुगनू (86 किलो) ने भी सेमीफाइनल में जगह बनाई। राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता सागर (92 प्लस किलो) ने चंडीगढ के नवजोत सिंह को मात दी। अब उनका सामना दिल्ली के विशाल कुमार से होगा।

आईओसी अध्यक्ष बाक ने पेरिस 2024 ओलंपिक गांव का किया दौरा, तैयारी कार्यों पर जताई संतुष्टि

पेरिस। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक ने कहा कि वह सीन सेंट-डेनिस विभाग में ओलंपिक गांव के दौरे के बाद पेरिस 2024 की तैयारी के काम से संतुष्ट हैं। सिन्हुआ के अनुसार, बाक और आईओसी कार्यकारी समिति (ईबी) के सदस्यों ने पेरिस में पेरिस 2024 आयोजन समिति के मुख्यालय पल्स में अपनी अंतिम बैठक के साथ चार दिवसीय सत्र का समापन किया, जिसके बाद पास के ओलंपिक गांव का दौरा किया गया। बाक ने संवाददाताओं से कहा, ओलंपिक गांव में रहना हमेशा एक महान क्षण होता है क्योंकि खेल खत्म होने के बाद, एथलीट गांव के बारे में बात करेंगे। यह वह जगह है जहां ओलंपिक खेलों का केंद्र होगा और एथलीटों के लिए बेहतरीन परिस्थितियां होंगी। हम यहां जो देखे वह कॉम्पैक्ट, बहुत व्यावहारिक है, लेकिन एक अद्भुत दृश्य भी है। आयोजन समिति के प्रमुख टोनी एस्तांगुएट ने कहा, एथलीटों के गांव को अंतिम रूप दिया जा रहा है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, इसे मार्च की शुरुआत में वितरित किया जाएगा ताकि आयोजन समिति 15 जुलाई को एथलीटों के आगमन पर उनके लिए इसे तैयार कर सके।ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त तक आयोजित किए जाएंगे और 28 अगस्त से 8 सितंबर तक पैरालिंपिक के बाद, गांव 2,800-अपार्टमेंट वाला सोसायटी बन जाएगा, जिनमें से 25त्न बिक्री के लिए होंगे और बाकी किराए के लिए सामाजिक आवास और अपार्टमेंट होंगे।

एस्तांगुएट ने कहा, यह वर्ष विशेष रूप से सक्रिय था, जिसमें कई महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल किये गए, जैसे टिकट बिक्री, स्वयंसेवक भर्ती, परीक्षण कार्यक्रम, सभी के लिए जटिल तैयारी की आवश्यकता थी। तैयारियों पर पेरिस 2024 रिपोर्ट तीन प्रमुख प्राथमिकताओं संचालन, बजट और जुड़ाव के इर्द-गिर्द घूमती है। खेलों में अब कुल 55 घरेलू भागीदार हैं। 400,000 टिकटों की नवीनतम पेशकश गुरुवार को जारी की गई, जिसमें 380,000 टिकट 24 घंटों के भीतर बेचे गए, जिसका अर्थ है कि इस स्तर पर ओलंपिक खेलों के लिए कुल 10 मिलियन में से 7.5 मिलियन टिकट बेचे गए हैं।बाक ने पेरिस 2024 की रिपोर्ट के बारे में कहा, यह बैठक और आईओसी समन्वय आयोग की रिपोर्ट हमें आश्वस्त करती है कि पेरिस 2024 आने वाले वर्ष के लिए अच्छी तरह से तैयार है।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 20 रन से हराया, 3-1 से सीरीज पर जमाया कब्जा

रायपुर। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज का चौथा मुकाबला शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में खेला गया जिसमें भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 20 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत ने सीरीज पर 3-1 से अजय बढ़त बना ली है। वहीं भारत ने सबसे ज्यादा टी-20 इंटरनेशनल जीतने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना लिया है। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में खेले गए इस मैच में भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 174 बनाकर बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 20 ओवर में सात विकेट खोकर 154 रन ही बना सकी। इस मैच के हीरो अक्षर पटेल और रिंकू सिंह रहे। जिसमें रिंकू सिंह ने 46 रन बनाए जबकि अक्षर पटेल ने 3 अहम विकेट लिए। 175 रन के टारगेट का पीछा करते हुए टीम कंगारु के ओपनर्स जोश फिलिप और ट्रैविस हेड की जोड़ी ने पहले ओवर से 7 रन लेने के बाद मुकेश कुमार के पहले ओवर में 11 रन लिए। इन दोनों ने दीपक चाहर के दूसरे और पारी के तीसरे ओवर में 22 रन बनाए। इसके बाद 3 ओवर में कंगारू टीम का स्कोर बिना नुकसान के 40 रन था। चौथे ओवर में उतरे रवि बिश्नोई ने अपनी पहली ही बॉल पर जोश फिलिप्स का विकेट ले लिया। अगले ही ओवर में अक्षर ने ट्रैविस हेड को मुकेश कुमार के हाथों कैच कराया जिसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम का स्कोर 52/2 रहा। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम बिखरती चली गई और टीम इंडिया के सामने घुटने टेक दिये। रिंकू सिंह ने भारत के लिए सबसे ज्यादा 46 रन बनाए। रिंकू ने 28 गेंदों की पारी में चार चौके और दो छक्का लगाया। जितेश ने महज 19 गेंदों पर 35 रनों की पारी खेली। जितेश की पारी में तीन छक्के और एक चौका शामिल रहा। देखा जाए तो भारत ने आठ रनों पर आखिरी के पांच विकेट खोए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बेन ड्वारशुइस ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए जबकि तनवीर संघा और जेसन बेहेरेनडॉर्फ को दो-दो सफलता हासिल हुई।

'इसमें कुछ अपमानजनक नहीं था', विश्व कप ट्रॉफी पर पैर रखने वाले मार्श का विवादित बयान

मेलबर्न । विश्व कप ट्रॉफी पर पैर रखने के कारण भारतीय क्रिकेटप्रेमियों के कोपभाजन बने ऑस्ट्रेलियाई हरफनमौला मिशेल मार्श ने कहा कि यह अपमानजनक नहीं था और वह दोबारा ऐसा कर सकते हैं। भारत को छह विकेट से हराकर छठी बार विश्व कप जीतने के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने अपने इंस्टाग्राम पर मार्श की एक तस्वीर डाली जिसमें उनका पैर ट्रॉफी पर था। मार्श ने कहा, 'इस तस्वीर में कुछ भी अपमानजनक नहीं था। मैंने इतना सोचा नहीं। सोशल मीडिया भी नहीं देखा जबकि हर कोई मुझे बता रहा है कि इस पर विवाद पैदा हो गया है।' यह पूछने पर कि क्या वह दोबारा ऐसा करेंगे, मार्श ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो शायद हां।'भारतीय प्रशंसकों को मार्श की यह हरकत नागवार गुजरी थी। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा था, 'इस ट्रॉफी के लिए दुनिया की सभी टीमों में मुकाबला था। आप इस ट्रॉफी को सिर पर रखना चाहते थे। उसी ट्रॉफी पर पैर रखा हुआ देखकर मुझे खुशी नहीं हुई।' विश्व कप जीतने के चार दिन बाद भारत और आस्ट्रेलिया पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिये फिर आमने सामने थे। मार्श ने कहा, 'जिन खिलाड़ियों को यहां रूकना पड़ा, उनके लिए ज्यादती थी। हमें इस बात का सम्मान करना है कि हम ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलते हैं और भारत के खिलाफ श्रृंखला बड़ी होती है। लेकिन इसका मानवीय पहलू यह भी है कि हमने अभी अभी विश्व कप जीता है और घर जाकर परिवार के साथ जश्न मनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि आगे बड़े टूर्नामेंटों के बाद ऐसी श्रृंखलायें नहीं होंगी।' ऑस्ट्रेलिया के सात खिलाड़ियों को वनडे विश्व कप के बाद टी20 श्रृंखला के लिए भारत में रूकना पड़ा। उनमें से छह खिलाड़ी वापस लौट गए और विश्व कप विजेता टीम में से सिर्फ ट्रेविस हेड हैं जो बाकी दो मैच भी खेलेंगे।

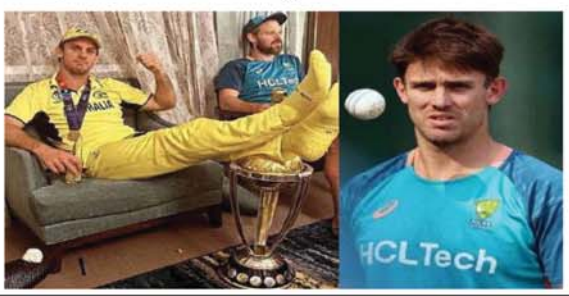

उत्तम औषधि है काजू

मेवे का प्रयोग उत्तम औषधि के रूप में किया जाता है। क्योंकि मेवा स्वाद की नहीं बल्कि सेहत की दृष्टि से भी उतनी ही फायदेमंद हैं। काजू में मैग्नीशियम पाया जाता हैं जो उच्च रक्तचाप को कम करने में और दिल के दौरे को रोकने में मदद करता है। काजू कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी संतुलित रखता है। काजू में प्रोटीन की मात्रा काफी होती है जो बॉडी व हड्डियों को मजबूत बनाती है। चाहे मिठाई में काजू कतली हो या फिर दूसरे पकवानों में काजू का इस्तेमाल। काजू किसी भी आम डिश को शाही बना सकता है। अब जब काजू हमें इतना पसंद ही है तो इससे होने वाले लाभ के बारे में भी जान लेना चाहिए। काजू में प्रोटीन, खनिज लवण, लौह, फाइबर, फोलेट, मेग्नीशियम, फॉस्फोरस, सेलेनियम, और तांबा का अच्छा स्त्रोत है। काजू का तेल, स्कर्वी मस्सा और रिंगवर्म के उपचार के लिए इस्तेमाल किया जाता है। आप प्रतिदिन 7-10 काजू का सेवन कर सकते हैं। काजू खाने से मसूडों और दांतों को स्वस्थ रखता है। काजू में मोनो सैचुरेटड फैट होता है जो की दिल को स्वस्थ रखता है ओर दिल की बीमारियों के खतरे को कम करते में मदद करता है। काजू में एंटी ओक्सिडेंट भी होते हैं जो कैंसर से बचाव करता है। काजू पाचन शाक्ति को बढाता है। इससे भूख भी कहीं अधिक लगती है। आंतों में भरी गैस कम किया जा सकता है। काजू में पाए जानवाले फाइटो-केमिक्लस कैंसर और दूसरे बीमारियों से सुरक्षा करते हैं। जिन महिलाओं को मेनोपॉज है उन्हें तनाव, स्ट्रेस होनो एक आम सा समस्या है। उन महिलाओं को रोजाना एक काजू खाना चाहिए। काजू में पर्याप्त मात्रा में मैग्नीशियम पाया जाता है। काजू में अधिक एनर्जी होती है और इसमें अधिक मात्रा में फाइबर होता है। इसलिए इसको खाने से शरीर का वजन संतुलित रहता है।

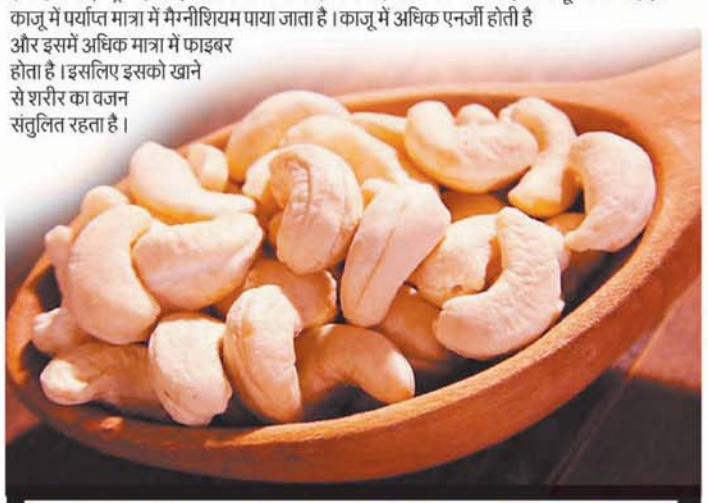

खीरे में हैं सेहत व सौन्दर्य के अनगिनत गुण

खीरा सेहत के लिए काफी लाभकारी माना जाता है। ये सेहत के साथ-साथ सौंदर्य में बहुत फायदेमंद होता है। कम फेट व कैलोरी से भरपूर खीरे का सेवन आपको कई रोगो से बचाने में सहायता करता है। खीरे को आप कई तरह से खा सकते हैं, जैसे सलाद, जूस, सैंडवीच, या यूं ही नमक छिडक कर भी खा सकते हैं। खीरे के स्वास्थ्यवद्रधक और सौन्दर्यवद्रधक गुण दोनों अनगिनत होते हैं जैसे आयुर्वेद के अनुसार खीरा, पित्त, रक्त पित्त दूर करने वाला तथा रक्तविकार और मूत्र कच्छ नाशक रूचिकर फल है। खीरे के प्रयोग से पेट तथा जिगर की जलन शांत होती है। खीरे का नियमित सेवन से मासिक धर्म में होने वाली समस्याओं से भी छुटकारा मिलता है। खीरा एक ऐसी सब्जी है जिसमें कोलेस्ट्रोल बिल्कुल नहीं होता। यह हृदय रोगी के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। एक अध्ययन के अनुसार खीरा में जो स्टेरराल नाम का योगिक होता है वह कोलेस्ट्रोल को कम करने में मदद करता है। खीरे में कैलोरी कम और फाइबर उच्च मात्रा में होता है। इसलिए मीडे डे में भूख लगने पर खीरा खाने से पेट देर तक भरा हुआ रहता है। आयुर्वेद के मुताबिक पेट में गर्मी होने के वजह से मुंह से बदबू निकलता है, खीरा पेट को शीतलता प्रदान करने में मदद करता है।

गर्भाशय में रसौली के लक्षण जान इस तरह करें घरेलू उपचार

बिगड़ते लाइफस्टाइल में महिलाओं में कई समस्याएं देखने को मिलती है, इन्हीं में से एक फाइब्रॉइड यानी रसौली। फाइब्रॉइड या रसौली की गांठें महिलाओं के गर्भाशय में या उसके आसपास बनती है। इस बीमारी के ज्यादातर लक्षण न होने के कारण महिलाओं को इसका पता नहीं चल पाता। एक शोध के अनुसार लगभग 40 प्रतिशत महिलाएं रसौली का शिकार होती है। वैसे तो अक्सर यह समस्या 30 से 50 की उम्र में देखने को मिलती है लेकिन गलत खान-पान के कारण यह समस्या इससे कम उम्र में हो जाती है। मोटापे से ग्रस्त महिलाओं का एस्ट्रोजन हार्मोन स्तर ज्यादा होने के कारण उन्हें इसका खतरा सबसे अधिक होता है। इस बीमारी के कुछ सामान्य लक्षणों से इसकी पहचान करके आप इससे बच सकते है। तो आइए जानते है फाइब्रॉइड के लक्षण और इसे दूर करने के कुछ घरेलू उपाय।

फाइब्रॉइड या रसौली के लक्षण

- पीरियड्स के दौरान भारी ब्लीडिंग
- अनियमित पीरियड्स
- पेट के नीचे के हिस्से में दर्द
- प्राइवेट पार्ट से खून आना
- कमजोरी महसूस होना
- प्राइवेट पार्ट से बदबूदार डिस्चार्ज
- पेट में अचानक दर्द कब्ज
- पेशाब रुक-रुककर आना

फाइब्रॉइड या रसौली के घरेलू उपाय

केस्टर ऑयल

दिन में 2 बार केस्टर ऑयल और अदरक के रस को मिला कर लें। सुबह और रात में सोने से पहले इसका सेवन इस बीमारी को दूर करता है।

लहसुन

रसौली की समस्या होने पर खाली पेट रोज 1 लहसुन का सेवन करें। लगातार 2 महीने तक इसका सेवन इस समस्या को जड़ से खत्म कर देता है।

बरडॉक रूट

यह जड़ी-बूटी एस्ट्रोजन को डिटॉक्स कर गर्भाशय फाइब्रॉइड को कम करने में मदद करती है। एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुण से भरपूर इस जड़ी-बूटी का सेवन इस समस्या और कैंसर के खतरे को कम करता है।

सेब का सिरका

गर्म पानी के साथ सुबह शाम सेब का सिरका पीने से फाइब्रॉइड की समस्या दूर होती है। इसके अलावा इसका सेवन फाइब्रॉइड से होने वाले पेट दर्द को भी दूर करता है।

चेस्टबेरी

यह हर्ब हार्मोन संतुलन करके एस्ट्रोजन के कम स्तर को बनाए रखने और सूजन को कम करने में मदद करता है। चेस्टबेरी हर्ब से बने मिश्रण की 25-30 बूंदों को दिन में दो से चार बार लेने से आपकी यह समस्या दूर हो जाएगी।

हल्दी

एंटीबॉयोटिक गुणों से भरपूर हल्दी का सेवन शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकाल देता है। यह फायब्रॉइड की ग्रोथ को रोक कर कैंसर का खतरा कम करता है।

दांतों में कैविटी की समस्या को इन तरीकों से करें दूर

सफेद और सुंदर दांत व्यक्ति की खूबसूरती को और बढ़ादेते हैं। इनके बिना खाना खाने का कोई मजा नहीं आता। ऐसे में दांतों की सही देखभाल करना बहुत ही जरूरी होता है। कुछ लोग के गलत खान-पान या सही तरीके से दांतों की देखभाल न करने पर इनमें कैविटी यानी कीड़ा लग जाता है। यह किसी भी उम्र के लोगों को हो सकता है। कई बार कीड़ा लगने से इतना दर्द होता है कि उसको सहन करना बहुत मुश्किल हो जता है। इस दर्द से छुटकारा पाने के लिए कई लोग दवाइयां और ट्रीटमेंट का सहारा भी लेते हैं। जो की बहुत मंहगा है। ऐसे में आप नैचुरल तरीके से भी दांतों में लगे कैविटी को आसानी से हटा सकते हैं। तो आइए जानते हैं उन तरीकों के बारे में।

क्या है कैविटी

शक्करयुक्त खाद्य पदार्थो यानि बिस्किट्स, चॉकलेट्स, आलू, केला को खाने से मुंह में अमल बनने लगते हैं। इससे दांतों में धीर-धीरे छोटे-छोटे से छिद्र बन जाते हैं। बाद में इन्हीं छिद्रों में कैविटी या कीड़ा लगत जाता है। इसके अलावा दांतों में संक्रमण होने पर भी कैविटी बन सकती है। इसका इलाज न करावाने पर दांतों के खराब होने का खतरा बढ़ जाता है। पीड़ित व्यक्ति को दांत खोने पड़ सकते हैं।

ऐसे करे कैविटी से बचाव

मिठाई, कैंडी और चॉकलेट खाना कम करें।
शक्करायुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करने से बचें।
ज्यादा मिठठा फल न खाएं।
सोडा न पीएं। इसमें 12 से 40 ग्राम चीनी की मात्रा होती है जो कि दांतों के लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं होती।खाने के बाद कुल्ला करें।
तेल और मसालेदार भोजन न खाएं।
ज्यादा गर्म या ठंडा खाना खाने से बचें।

कैविटी लगे दातों का घरेलू इलाज

नारियल या सूरजमुखी का तेल

कीड़ा लगे दांतों में तेल भरना सबसे बेस्ट घरेलू तकनीक है। इसके लिए आप नारियल तेल या सूरजमुखी का तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। 1 चम्मच तेल को अपने मुंह में कम से कम 20 मिनट तक रखें। इसके बाद कुल्ला करें और ब्रश कर लें। कुछ दिनों तक ऐसा करने से आपको खुद ही फर्क दिखाई देने लगेगा।

फ्लोराइड

यह एक तरह का प्राकृतिक खनिज पदार्थ है। यह दांतों में किसी भी प्रकार का रोग नहीं होने देता है। दातों को सुरक्षित रखने के लिए उस पानी का इस्तेमाल करें जिस में फ्लोराइड की मात्रा ज्यादा हो। इसके साथ ही टूथ पेस्ट से रोजाना दो बार ब्रश करें।

हींग

हींग का इस्तेमाल करने से भी दांतों के कीड़े खत्म हो जाते हैं। हींग के पाउडर को पानी में डालकर उबा लें। इसके ठंड़ा होने पर इस पानी से कुल्ला करें। रोजाना ऐसा करने से दांत के कीड़े खत्म हो जाएंगे। इसके साथ ही दांतों में होने वाले दर्द से भी छुटकारा मिलेगा।

प्याज के बीज

दांतों के कीड़े को नष्ट करने के लिए प्याज के बीजों का इस्तेमाल करें। इसके बीजों को चबाने से कीड़े जल्द ही खत्म हो जाते हैं। आप चाहें तो प्याज को बारिक काट कर भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। एक कटोरे बारिक कटा प्याज डालकर उसमे इसमें थोड़ा-सा तेल डालकर कम आंच पर गर्म करें। इससे निकलने वाले धुएं को मुंह में लेने से भी कीड़े मर जाते हैं।

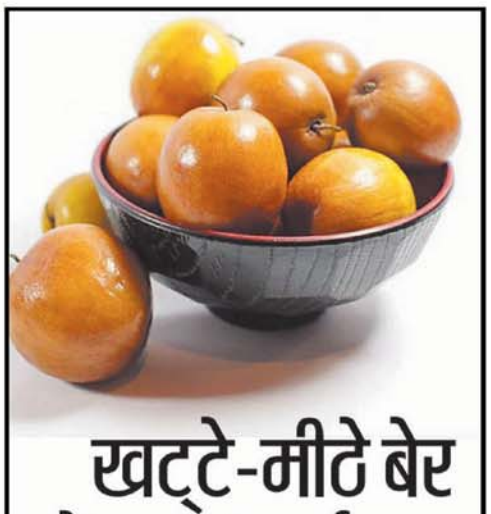

खट्टे-मीठे बेर में समाएं कई गुण

आयुर्वेद के अनुसार बेर दिल की सेहत के लिए बहुत ही लाभकारी है। बेर खाने से कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल रहता है, जिससे दिल से जुछी बीमारियां होने की आशंका कम हो जाती है। बरे खाने से बार-बार प्यार लगने की शिकायत भी दूर होती है। खट्टे-मीठे बेर में पोटैशियम, कॉपर, आयरन, फॉस्फोरस और खनिज पदार्थ आदि भी होते हैं। इन सभी तत्वों से इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है और शरीर में रोगों से लडने की क्षमता बढती है। गर्मियों में पौधे सुषुप्तावस्था में प्रवेश कर जाते हैं व उस समय पतियां अपने आप ही झड जाती हैं तब पानी की आवश्यकता नहीं के बारबर होती है। इस तरह बेर अधिक तापमान तो सहन कर लेता है लेकिन शीत ऋतु में पडने वाले पाले के प्रति अतित संवेदनशील होता है। क्योंकि इसमें कम पानी व सूखे से लडने की विशेष क्षमता होती है। जिस तरह नींबू और संतरे में विटामिन सी प्रचुर मात्रा पाई जाती हैं उसी तरह बेर में भी। बेर में अन्य फलों के मुकाबले विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट ज्यादा मात्रा में होते हैं। इसके सेवन से त्वचा बढती उम्र तक जवां बनी रहती हैं। इसमें विटामिन सी की मात्रा खट्टे फलों से 20 गुना तक अधिक होती है। बेर की गुठली को घिसकर आंखों में काजल की तरह लगाने से कनीनिका प्रदाह ठीक हो जाता है। आंखों से बहने वाला पानी भी बंद हो जाता है। बेर के पत्तों को पानी में काफी समय तक उबालकर काढा बनाकर छानकर पीने से शरीर की बढती चर्बी कंट्रोल हो जाती है। चेचक में बेर के पत्तों का रस भैंस के दूध के साथ रोगी को देने से रोग का वेग कम होता है। बेर में 6 ग्राम पत्तों के चूर्ण को 2ग्राम गुड के साथ मिलाकर रोगी को खिलाने से भी 2-3 दिन में चेचक खत्म होने लगता है।

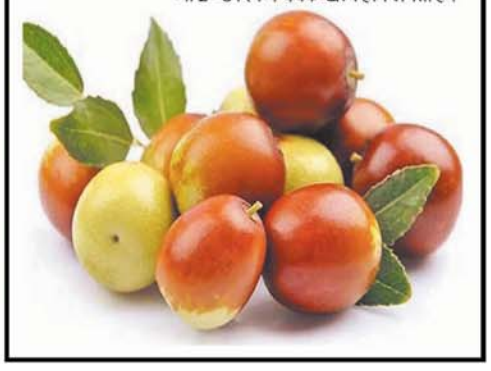

नवंबर में कोयला उत्पादन 11.03 फीसदी बढ़कर 84.53 मिलियन टन

नई दिल्ली। देश में कोयले का उत्पादन नवंबर में 11.03 फीसदी बढ़कर आठ करोड़ 45.3 लाख टन (84.53 मिलियन टन) रहा है। पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में यह सात करोड़ 61.4 लाख टन (76.14 मिलियन टन) रहा था। कोयला मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि देश में कोयले का उत्पादन नवंबर में 11.03 फीसदी बढ़कर 84.53 मिलियन टन रहा है। मंत्रालय ने बताया कि कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का उत्पादन नवंबर में 8.74 फीसदी बढ़कर 6 करोड़ 59.7 लाख टन पर पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष के नवंबर में छह करोड़ 6.07 लाख टन रहा था। मंत्रालय ने बताया कि संचयी रूप से कोयले का उत्पादन नवंबर, 2023 तक चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 59 करोड़ 12.8 लाख टन (अनंतिम) तक पहुंच गया

कोयला मंत्रालय
MINISTRY OF COAL
सत्यमेव जयते

मारुति सुजुकी की नवंबर में बिक्री 3.39 फीसदी बढ़ कर 1,64,439 इकाई पर

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र की वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) की नवंबर में कुल बिक्री 3.39 फीसदी बढ़ कर 1,64,439 इकाई रही है। पिछले साल इसी महीने में यह 1,59,044 इकाई रही थी। एमएसआईएल ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि नवंबर में उसकी कुल बिक्री 3.39 फीसदी बढ़ कर 1,64,439 इकाई रही। पिछले साल की इसी अवधि में यह 1,59,044 इकाई थी। कंपनी के मुताबिक यात्री वाहनों, वाणिज्यिक वाहनों और तीसरे पक्ष की आपूर्ति सहित कुल घरेलू बिक्री नवंबर महीने में 1.57 फीसदी बढ़कर 1,41,489 इकाई रही, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 1,39,306 इकाई थी। कंपनी ने बताया कि घरेलू स्तर पर यात्री वाहन (पीवी) की कुल बिक्री 1.33 फीसदी की वृद्धि के साथ नवंबर महीने में 1,34,158 इकाई रही, जबकि नवंबर 2022 में 1,32,395 इकाई थी। मारुति सुजुकी ने कहा कि नवंबर महीने में उसका निर्यात भी बढ़ कर 22,950 इकाई से अधिक रहा, जो नवंबर 2022 में 19,738 इकाई था।

दो हजार के 97.26 फीसदी नोट बैंकिंग सिस्टम में लौटेः आरबीआई

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने कहा कि 2 हजार रुपये के करीब 97.26 फीसदी नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं, लेकिन ऐसे 9,760 करोड़ रुपये मूल्य के करेंसी नोट अब भी जनता के पास मौजूद हैं। रिजर्व बैंक ने कहा है कि 2,000 रुपये के बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि 19 मई 2023 को कारोबार की समाप्ति पर चलन में रहे 2,000 रुपये के करेंसी नोट का कुल वैल्यू 3.56 लाख करोड़ रुपये था। 30 नवंबर को यह घटकर 9,760 करोड़ रुपये रह गया। इस तरह 19 मई 2023 तक चलन में रहे दो हजार रुपये के कुल नोट में से 97.26 फीसदी नोट अब वापस आ चुके हैं। दो हजार के बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे। आरबीआई ने 19 मई 2023 को 2,000 रुपये मूल्य वर्ग के बैंक नोट को चलन से वापस लेने का ऐलान किया था। इन नोट को बदलने या बैंक खातों में जमा कराने की समय-सीमा पहले 30 सितंबर थी, जिसें बढ़ाकर 7 अक्टूबर तक की गई थी। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ने दो हजार रुपये के करेंसी नोट को बैंक शाखाओं में जमा और विनिमय दोनों सेवाएं सात अक्टूबर के बाद बंद कर दी थी। इसके बाद 8 अक्टूबर से लोगों को आरबीआई के 19 कार्यालयों में मुद्रा का आदान-प्रदान करने या उनके बैंक खातों में जमा करने का विकल्प मुहैया कराया गया था। यह 19 क्षेत्रीय कार्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में स्थित हैं।

कच्चा तेल 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में गिरावट का रुख है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य 2 डॉलर प्रति बैरल से घटकर 79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 75 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक शनिवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर से उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन ब्रेंट क्रूड 1.98 डॉलर यानी 2.45 फीसदी की गिरावट के साथ 78.88 डॉलर प्रति बैरल पर है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 1.89 डॉलर यानी 2.49 फीसदी लुढ़कर 74.07 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर है।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.54 अरब डॉलर बढ़कर 597.93 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोंचे पर अच्छी खबर है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे हफ्ते इजाफा हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 24 नवंबर को समाप्त हफ्ते में 2.54 अरब डॉलर बढ़कर 597.93 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी है।

आरबीआई ने जारी आंकड़ों में बताया कि 24 नवंबर को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.54 अरब डॉलर उछलकर 597.93 अरब डॉलर रहा है। पिछले हफ्ते कुल विदेशी मुद्रा भंडार 5.07 अरब डॉलर बढ़कर 595.39 अरब डॉलर हो गया था। आंकड़ों के मुताबिक विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 2.14 अरब डॉलर बढ़कर 528.53 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के मुताबिक स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 29.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 46.34 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.22 अरब डॉलर हो गया है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 1.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.85 अरब डॉलर पर पहुंच गया। उल्लेखनीय है कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार अक्टूबर, 2021 में उछलकर 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से 'हाउ बिल्ड एन इंडियन नैरेटिवेक' विषय पर विशेष सत्र का आयोजन

कोलकाता। कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स (सीसीसी) की ओर से 'हाउ बिल्ड एन इंडियन नैरेटिवेक ' विषय पर विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने 'हाउ बिल्ड एन इंडियन नैरेटिवेक' विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स के वर्तमान और पूर्व अध्यक्षों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। मैं भारतीय इतिहास में महत्वपूर्ण मोड़ को स्वीकार करता हूं क्योंकि हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की स्थिति के करीब पहुंच रहे हैं। इस परिवर्तनकारी चरण में, वैश्विक मंच पर हमारे आख्यान को आकार देना सर्वोपरि है । 7.6 फीसदी सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि के बावजूद, हम रहस्यमय वैश्विक रैंकिंग से जूझ रहे हैं, जैसे मोटापे की महामारी के बारे में चिंताओं के साथ-साथ वैश्विक भूख सूचकांक पर भारत की 111वीं स्थिति। ये प्रतीत होने वाले बेतुके सूचकांक वास्तविक परिणाम देते हैं, 20 फीसदी संप्रभु रेटिंग के साथ, हमारी लागत पर प्रभाव डालते हैं उनसे प्राप्त पूंजी का। कंपनियों और निर्यातों को प्रभावित करने वाली ईएसजी रेटिंग प्रमुखता प्राप्त कर रही है। वीडीईएम का लोकतंत्र सूचकांक, उदार लोकतंत्रों में भारत को 97वां स्थान देता है, ऐसे आकलन की विश्वसनीयता पर विचार करने के लिए प्रेरित करता है। अब समय आ गया है कि हम आत्मविश्वास से अपनी कहानी बताएं, रैंकिंग को पार करना और यह सुनिश्चित करना कि हमारी कथा विश्व मंच पर भारत की प्रगति की गतिशील वास्तविकता को प्रतिबिंबित करती है। इस अवसर पर कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष हरि शंकर हलवासिया ने स्वागत भाषण दिया। इस मौके पर कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष किशन कुमार केजरीवाल, उपाध्यक्ष अनुराग झुनझुनवाला तथा कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष और बैंकिंग, वित्त और आर्थिक मामलों की समिति के चेयरमैन राजकुमार छाजेर उपस्थित रहे।

नवंबर में जीएसटी संग्रह 1.67 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोंचे पर अच्छी खबर है। नवंबर महीने में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 1.67 लाख करोड़ रुपये के पार रहा है। पिछले महीने अक्टूबर में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.72 लाख करोड़ रुपये रहा था, जबकि सितंबर महीने में यह 1.63 लाख करोड़ रुपये था।

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि नवंबर महीने में जीएसटी संग्रह 1,67,929 लाख करोड़ रुपये रहा है। पिछले महीने अक्टूबर में जीएसटी संग्रह 1.72 लाख करोड़ रुपये रहा था। जीएसटी संग्रह में सालाना आधार पर 15 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। ये लगातार नौवां महीना है, जब मासिक जीएसटी संग्रह 1.5 लाख करोड़ रुपये से ऊपर रहा है। हालांकि, पिछले महीने के मुकाबले जीएसटी संग्रह में 2 फीसदी की गिरावट रही है।

नवंबर में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 1,67,929 लाख करोड़ रुपये में से सीजीएसटी संग्रह 30,420 करोड़ रुपये है, जबकि एसजीएसटी संग्रह 38,226 करोड़ रुपये रहा है। इसके अलावा नवंबर में आईजीएसटी संग्रह 87,009 करोड़ है (माल के आयात पर एकत्र किए गए ?39,198 करोड़ सहित) और उपकर 12,274 करोड़ रुपये है (माल के आयात पर एकत्र 1,036 करोड़ रुपये सहित)। चालू वित्त वर्ष 2023-24 में छठी बार सकल जीएसटी संग्रह 1.60 लाख करोड़ रुपये के पार रहा है।

दिल्ली सीमा शुल्क अधिकारियों ने 55 लाख रुपये की विदेशी सिगरेट बरामद की

नई दिल्ली। दिल्ली सीमा शुल्क (निवारक) अधिकारियों ने एक खुफ़िया सूचना के आधार पर जांच के दौरान 55.23 लाख रुपये मूल्य की 5,48,800 लाख विदेशी सिगरेट बरामद की है। बरामद की गई इन सिगरेटों में प्लेटिनम सेवन, डेविडऑफ़, डनहिल और मोंड जैसे ब्रांड शामिल है, जिनके पैकेट पर अनिवार्य सचित्र स्वास्थ्य चेतावनी मौजूद नहीं थी। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि खुफ़िया सूचना के आधार पर गुरुवार को तलाशी के दौरान 55.23 लाख रुपये मूल्य की 5,48,800 लाख विदेशी सिगरेट बरामद की गई। इन सिगरेट पैकेट को सीमा शुल्क की चोरी करते हुए देश में अवैध रूप से आयात करने या तस्करी करने की आशंका है। इन पैकेट की सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (पैकेजिंग और लेबलिंग) संशोधन नियम, 2022 का उल्लंघन करते हुए घरेलू बाजार में आपूर्ति की जा रही थी। मंत्रालय ने कहा कि बरामद की गई सिगरेट में प्लेटिनम सेवन, डेविडऑफ़, डनहिल और मोंड जैसे ब्रांड हैं। इस सिगरेट के पैकेट पर अनिवार्य सचित्र स्वास्थ्य चेतावनी नहीं दी गई है। मंत्रालय ने कहा कि जांच के दौरान एक आरोपित को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के उल्लंघन में गिरफ्तार किया गया था, जिसे बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया है। इस मामले में आगे की जांच जारी है।

सरकार ने कच्चे तेल पर फिर घटाया विंडफॉल टैक्स, नई दरें लागू

नई दिल्ली। सरकार ने देश में उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) में बड़ी कटौती की है। घरेलू कच्चे तेल पर 1,300 रुपये प्रति टन विंडफॉल टैक्स की कटौती हुई है। इससे पहले 16 नवंबर को सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स में कटौती की थी। नई दरें शुक्रवार से लागू हो गई हैं। सरकार के मुताबिक देश में उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 6,300 रुपये प्रति टन से घटाकर 5,000 रुपये प्रति टन कर दिया गया है। इससे पहले 16 नवंबर को कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 9800 रुपये प्रति टन से घटाकर 6300 रुपये प्रति टन किया गया था। अप्रत्याशित और औसत से अधिक लाभ कमाने वाली कंपनियों पर लगाए जाने वाले टैक्स को विंडफॉल टैक्स कहा जाता है।

इस टैक्स को लगाकर सरकार प्रॉफिट का कुछ हिस्सा अपने पास रखती है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड की ओर से इसे लागू किया जाता है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने जुलाई 2022 में विंडफ़ॉल टैक्स लागू किया था।

सत्य प्रकाश बने बरौनी रिफाइनरी के नए कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख

बेगूसराय। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बरौनी रिफाइनरी के कार्यपालक निदेशक (तकनीकी) सत्य प्रकाश को बरौनी रिफाइनरी का नया कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख बनाया गया है। उन्होंने सेवानिवृत्त हुए आर.के. झा से औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण किया।

सत्य प्रकाश 1993 में यांत्रिक अभियंता के रूप में बरौनी रिफाइनरी में ही नियुक्त हुए थे। 1993 से 2006 तक बरौनी रिफाइनरी में विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने के बाद परियोजना प्रबंधक के रूप में हल्दिया रिफाइनरी में पदोन्नत होकर स्थानांतरित हुए। वहां से वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक के रूप में पदोन्नति होकर रिफाइनरी मुख्यालय दिल्ली में स्थानांतरित हुए।

दस वर्षों से अधिक समय तक रिफाइनरीज मुख्यालय में मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य किया। इस कार्यकाल के दौरान 12 फरवरी 2020 से 20 फरवरी 2022 तक रत्नागिरी रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल्स में सेवा दी। उसके बाद 2022 में मुख्य महाप्रबंधक (तकनीकी) रूप में बरौनी रिफाइनरी में पुनः स्थांतरित हुए। करीब एक वर्ष तक मुख्य महाप्रबंधक (तकनीकी) एवं दस माह तक कार्यपालक निदेशक (तकनीकी) के रूप में सेवा दी।

अपने कार्यकाल के दौरान इन्होंने बरौनी रिफाइनरी के तकनीकी विकास एवं परियोजना प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिक निभाई। इस कार्यकाल के दौरान बीएस-६ ईंधन का रोल आउट, इथेनोल ब्लेंडेड मोटर स्पिरिट और एटीएफ उत्पादन के लिए तकनीकी टीम का नेतृत्व किया। इसके अलावा बरौनी रिफाइनरी की बीआर-9 परियोजना के कार्यान्वयन को सुदृढ़ किया। सत्य प्रकाश का दृढ़ विश्वास है कि किसी संगठन का मूल्य उसके लोगों को सुरक्षित और सुदृढ़ कार्य व्यवस्था प्रदान करने तथा पर्यावरण देखभाल करने से है। जिससे हमारी पृथ्वी और उसकी जैव विविधता का पोषण और संरक्षण हो सके। वे 2022-23 में 6.78 एमएमटीपीए का उच्चतम क्रूड थ्रूपुट हासिल करके (ऑपरेशन के 58 वर्षों में उच्चतम) करने वाली बरौनी रिफाइनरी टीम के शानदार प्रदर्शन का हिस्सा रहे।

इन्होंने रिफाइनरी को अब तक के सबसे कम ईंधन और हानि, एमबीएन और ऊर्जा दक्षता सूचकांक (ईआईआई) हासिल करने के लिए प्रेरित किया, जो रिफाइनरी की ऊर्जा दक्षता को दर्शाता है। रिफाइनरी को एमओपीएनजी द्वारा नौ एमएमटीपीए से कम रिफाइनरी क्षमता की श्रेणी में प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ रिफाइनरी प्रदर्शन सुधार पुरस्कार 2023 जीतने में आगे बढ़कर नेतृत्व किया। सत्य प्रकाश ने एमआईटी मुजफ्फरपुर से यांत्रिक अभियंता में स्नातक और बिजनेस मैनेजमेंट में एमबीए किया। इन्होंने अपने कैरियर के दौरान परियोजना प्रबंधन में कई रिफाइनरियों में चुनौतीपूर्ण कार्यभार संभाला है।

सत्य प्रकाश ने राष्ट्रीय स्तर पर एक ग्रासरूट परियोजना के निर्माण और कमीशनिंग के कठिन समय में काम कर योजना एवं हाइड्रोक्रैकर परियोजना हल्दिया रिफाइनरी में कार्यान्वित किया। ये रिफाइनरी परिचालन में दक्षता के साथ पर्यावरण संरक्षण प्रबंधन के भी प्रबल समर्थक तथा बरौनी रिफाइनरी की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए कृत संकल्प हैं।

सर्राफा बाजार में लौटी तेजी, सोने व चांदी ने लगाई छलांग

नई दिल्ली। देश के सर्राफा बाजारों में एक दिन की गिरावट के बाद ही आज एक बार फिर तेजी का माहौल बन गया। देशभर के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज सोने की कीमत 63 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के करीब या इससे अधिक रिकॉर्ड की गई। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज तेजी दर्ज की गई। दिल्ली के सर्राफा बाजार में आज चांदी 79,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। माना जा रहा है कि शादी के सीजन की वजह से आने वाले दिनों में देश के सर्राफा बाजारों में सोने और चांदी की कीमत में अभी और तेजी आ सकती है। देश की राजधानी दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 63,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 57,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 63,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 57,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 63,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 58,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा मुंबई में 24 कैरेट सोना 63,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 58,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 62,950 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 57,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 63,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 57,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 63,000 प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 57,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 63,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 57,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत निवेशकों के लिए वैश्विक रूप से एक उज्ज्वल देश : पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के बहरीन चैप्टर को संबोधित किया। गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि 30 साल से कम उम्र की आबादी के प्रयासों से 30 साल से कम समय में अर्थव्यवस्था में 30 ट्रिलियन डॉलर जोड़ने का हमारा सपना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पीयूष गोयल ने आईसीएआई के बहरीन चैप्टर को संबोधित किया। मंत्री ने कहा कि भारत निवेशकों के लिए वैश्विक रूप से एक उज्ज्वल स्थान है, जहां हमारा बाजार पूंजीकरण दो दिन पहले ही 4 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। आज भारत विश्व के साथ आत्मविश्वास और अद्वितीय, अदम्य आत्मविश्वास की भावना के साथ सहयोग कर रहा है, न कि अहंकार के साथ। उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसी अर्थव्यवस्था है जहां बंदरगाह क्षमता 10 वर्षों में दोगुनी हो गई है। वाणिज्यिक हवाई अड्डे पिछले नौ वर्षों में 74 से दोगुना होकर 150 हो गए हैं, जिसके अगले पांच साल में बढ़कर 225 होने की उम्मीद है। आधुनिक उच्च गुणवत्ता वाले रेलवे और राजमार्गों के बड़े नेटवर्क की सहायता के लिए 140 नए अंतर्देशीय जलमार्ग शुरू किए गए हैं। जो सुंदर अवसंरचना हम दुनिया के अन्य हिस्सों में देखते हैं, उसका निर्माण अब भारत में भी किया जा रहा है।

नहीं चला महल का जादू, सतीश ने सेवाभाव से जीता मतदाताओं का दिल

ग्वालियर। प्रदेश में 20 वर्ष बाद भाजपा की आंधी चली है। इस आंधी बड़े-बड़े दरख्त जड़ से उखड़ गये। भाजपा की सुनामी में ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी सतीश सिकरवार स्वयं की जड़ों को मजबूती से बचाने में सफल हुए हैं। भाजपा ने अपने गढ़ में वापसी के लिए महल के नाम सहारा लिया था, लेकिन महल का नाम भी नहीं चला है। भाजपा को बसपा के हाथी से मदद की उम्मीद थी। पहले ही राउंड से हाथी का दम फूलने से भाजपा की उम्मीदों पर पानी फिर गया। उपचुनाव में जीत दर्ज करने के बाद कांग्रेस प्रत्याशी सतीश सिकरवार ने सेवाभाव के बल एक बार फिर मतदाताओं का दिल जीतने में सफल हुए हैं। हालांकि पूर्व विधानसभा क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत नजर आई। शुरुआती राउंड में भाजपा ने कांग्रेस को कड़ी चुनौती दी। डीडी नगर से मुरार तक भाजपा ने बढ़त बनाकर रखी। मुरार शुरु होते ही कांग्रेस ने न केवल लीड कवर की और 15 हजार 586 वोटों से जीत दर्ज की है।

महल के नाम सहारा लिया, टिकट कटने पर मुन्ना ने हंगामा किया–भाजपा के रणनीतिकारों ने आंतरिक सर्वे के आधार पर मुन्नालाल का टिकट काटा और महल से जुड़ी पूर्व मंत्री माया सिंह को चुनावी समर में उतारा। भाजपा को उम्मीद थी कि माया सिंह के नाम पर भाजपा कार्यकर्ता चुनाव में मोर्चा संभाल लेगा। टिकट कटने पर मुन्नालाल

गोयल व उनके समर्थकों ने जबरदस्त हंगामा किया। महल तक घेर दिया था। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समझाने के बाद मुन्नालाल गोयल भी भाजपा के साथ खड़े अवश्य नजर आए। अपने वार्ड से 61 वोटो से भाजपा को जिताया।

पांच वर्ष के ब्रेक और क्षेत्रीय नागरिकों से दूरी भारी पड़ी–पूर्व मंत्री माया सिंह संगठन में तो सक्रिय रहीं, लेकिन विधानसभा क्षेत्र से दूरी बना लीं। कोरोन काल में भी नजर नहीं आई। यही हार की मूल वजह मानी जा रही है। वृद्धावस्था होने के कारण चुनाव प्रचार को गति देने में माया सिंह नाकाम रहीं।

क्षेत्र में सक्रियता और सेवाभाव का सतीश को प्रतिसाद मिला–कांग्रेस प्रत्याशी सतीश सिकरवार लगातार पांच वर्ष में अपने क्षेत्र में सक्रिय रहे। लोगों के सुख-दुख में शामिल होने के साथ संकट के समय में क्षेत्र के नागरिकों की मदद के लिए आगे रहे। यही कारण है कि ग्वालियर पूर्व विधानसभा लाड़ली बहनें भी भाजपा के काम नहीं आई।

हाथी भी नहीं चला–भाजपा को उम्मीद थी कि 2018 के चुनाव में अनूसूचित बाहुल्य वार्डों में बसपा कांग्रेस के वोट काटने में कामयाब रहेगी। बसपा से पूर्व पार्षद प्रकास टेलर उम्मीदवार थे। किंतु अनुसूचित बाहुल्य वार्डों में भी कांग्रेस बढ़त में रही। यही कारण है कि कांग्रेस ने 2018 के चुनाव के मुकाबले दोगुने मतों से जीत दर्ज की है।

एमपी में अग्नि परीक्षा में सिंधिया पास, कांग्रेस से वापस छीना किला

ग्वालियर–चंबल में भाजपा ने 2018 के मुकाबले अंचल में दोगुना सीटें जीती हैं। पहले इस क्षेत्र में सिंधिया के खुद चुनाव लड़ने की चर्चा थी लेकिन पार्टी ने उन्हें स्टार प्रचारक बनाकर करीब मुख्य रूप से इसी अंचल की जिम्मेदारी दी थी। सिंधिया ने चुनाव प्रचार भी धुआंधार किया।स्टार प्रचारक होने के नाते पार्टी ने उन्हें एक हेलीकाप्टर दे रखा है जो हर दिन सुबह-सुबह महल परिसर से ही उड़ान भर रहा था। उन्होंने आचार संहिता के बाद करीब 80 सभाएं अंचल की सीटों पर कीं। कई सीटों पर रोड शो भी किया।पोलिंग एजेंट को टिकट वितरण के तुरंत बाद ग्वालियर, शिवपुरी,अशोकनगर,गुना की विभिन्न विधानसभा सीटों के मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू हुई जो 20-30

अक्टूबर तक जारी रही। कार्यक्रम में मंच से भाषण देने की जगह वह उपस्थित बूथ कार्यकर्ताओं के बीच में जाकर ही अपनी बात कहते दिखे थे। पोलिंग एजेंटों को पेन कापी पर उनकी सीट पर जाकर बारीकियां नोट कराई। उनकी शंका का समाधान भी किया।

रणनीति ऐसी कि कांग्रेस से उसके गढ़ ही छीन लिए–ग्वालियर जिले की भितरवार,ग्वालियर दक्षिण और शिवपुरी की पिछोर सीट को लंबे समय बाद भाजपा ने कांग्रेस से छीन लिया है। पिछोर से कांग्रेस के केपी सिंह कक्कू के कारण भाजपा पिछले छह चुनावों से यहां हार का मुंह देख रही थी।इस बार केपी के शिवपुरी से चुनाव लड़ने के कारण यहां भाजपा ने दोगुना ताकत से चुनाव लड़कर पिछोर अपने नाम कर लिया। इसी तरह भितरवार से कांग्रेस के लाखन सिंह लगातार पिछले पंद्रह सालों से जीतते आ रहे थे जिन्हें सिंधिया समर्थक मोहन सिंह राठौर ने हराकर कमल खिला दिया है।

ग्वालियर के संस्था दिव्यांशी एस के फाउंडेशन पंजाब में सम्मानित हुई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर।राष्ट्रीय स्तर पर पंजाब राज्य के भठिण्डा में हेल्प फोर नीडी फाउण्डेशन द्वारा 3 दिसंबर को रक्तदान जीवनदान और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग प्रदान कर रही लगभग 100 संस्थाओं को सम्मानित किया गया जिसमे से ग्वालियर से पिछले 8 वर्षो से लगातार निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रही दिव्यांशी एस के फाउंडेशन टीम को सम्मानित किया गया। सम्मान।प्राप्त करने के लिए संस्था के संस्थापक विनोद तोमर स्वयं उपस्थित रहे इस सम्मानित समारोह में रक्तवीरों ने रक्तदान किया और बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से नाट्य कला द्वारा स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां दी ताकि स्वास्थ्य पर ध्यान रहे विभिन्न प्रकार के ख़तरों से सावधान हो सके और अपने जीवन को स्वस्थ बना सके। इस कार्यक्रम में।मुख्यातिथि के रूप में पंजाब के केबिनेट मंत्री दयाल

5 दिसंबर के मुंबई में भी सम्मानित किया जाएगा

सिंह सोढी जी और बठिंडा के विधायक जगरूप सिंह जी उपस्थित रहे।दिव्यांशी एस के फाउंडेशन को

जिले के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव परिणाम घोषित

ग्वालियर भारत निव्राचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत रविवार 3 दिसम्बर को ग्वालियर जिले की सभी 6 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के

मतों की गिनती यहाँ एमएलबी कॉलेज में विधानसभा क्षेत्रवार बनाए गए मतगणना कक्षों में की गई। गिनती के बाद संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा चुनाव परिणाम घोषित किए गए। साथ ही विजयी प्रत्याशियों को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अक्षय कुमार सिंह एवं संबंधित प्रेक्षकगणों की मौजूदगी में रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा विजयी प्रत्याशियों को निर्वाचित होने के प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। विधानसभा निव्राचन क्षेत्र 14-ग्वालियर ग्रामीण में कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी श्री साहब सिंह

गुर्जर ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी श्री भारत सिंह कुशवाह को 3242 मतों से पराजित किया। श्री गुर्जर को 79 हजार 871 मत और श्री कुशवाह को 76 हजार 629 मत प्राप्त हुए। जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 15-ग्वालियर से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर 19 हजार 140 मतों से विजयी रहे। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी इंडियन नेशनल काँग्रेस के प्रतयाशी श्री सुनील शर्मा को पराजित किया। श्री तोमर को एक लाख 4 हजार 775 और श्री शर्मा को 85 हजार 635 मत मिले। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 16-ग्वालियर पूर्व से इंडियन नेशनल कांग्रेस के उम्मीदवार डॉ. सतीश सिंह सिकरवार ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी श्रीमती माया सिंह को 15 हजार 353 मतों से हराया। श्री सिकरवार को एक लाख 301 मत और श्रीमती माया सिंह को 84 हजार 948 मत हासिल हुए। जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 17-ग्वालियर दक्षिण से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी श्री नारायण सिंह कुशवाह ने इंडियन नेशनल काँग्रेस के प्रत्याशी श्री प्रवीण पाठक को 2 हजार 536 मतों से हराया। श्री कुशवाह को कुल 82 हजार 317 मत प्राप्त हुए। उनके निकटतम प्रतिद्वंदी श्री पाठक को 79 हजार 781 मत मिले। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 18-भितरवार से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार श्री मोहन सिंह राठौर ने इंडियन नेशनल काँग्रेस के प्रत्याशी श्री लाखन सिंह यादव को 22 हजार 354 मतों से पराजित किया। श्री राठौर को 97 हजार और श्री यादव को 74 हजार 646 मत प्राप्त हुए। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 19-डबरा (अजा) से इंडियन नेशनल काँग्रेस के प्रत्याशी श्री सुरेश राजे विजयी रहे। उन्होंने अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार श्रीमती इमरती देवी को 2 हजार 267 मतों से हराया। श्री सुरेश राजे को 84 हजार 717 व श्रीमती इमरती देवी को 82 हजार 450 मत मिले। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 14-ग्वालियर ग्रामीण का चुनाव परिणाम रिटर्निंग अधिकारी श्री बृजबिहारी लाल श्रीवास्तव, 15-ग्वालियर का परिणाम रिटर्निंग अधिकारी श्री श्री अतुल सिंह, 16-ग्वालियर पूर्व का परिणाम रिटर्निंग अधिकारी श्री विनोद सिंह, 17-ग्वालियर दक्षिण का परिणाम रिटर्निंग अधिकारी श्री नरेश कुमार गुप्ता, 18-भितरवार का परिणाम रिटर्निंग अधिकारी श्री देवकीनंदन सिंह और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 19-डबरा (अजा) का चुनाव परिणाम रिटर्निंग अधिकारी श्री मुनीष सिकरवार द्वारा घोषित किया गया। कलेक्टर श्री सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश चंदेल रविवार को सुबह से मतगणना सम्पन्न होने तक लगातार मतगणना व्यवस्था का का जायजा लेते रहे। साथ ही मतगणना व्यवस्था के प्रभारी एवं जिला पंचायत सीईओ श्री विवेक कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरूण कुमार एवं श्री टी एन सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री ऋषिकेश मीणा समेत अन्य पुलिस अधिकारियों ने सुव्यवस्थित ढंग से मतगणना सम्पन्न कराने में महती भूमिका निभाई।

पूरी पारदर्शिता के साथ खुले स्ट्रांग रूम–मतगणना दिवस को प्रातःकाल लगभग 7 बजे

सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के स्ट्रांग रूम पूरी पारदर्शिता के साथ खोले गए। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षकगण, प्रत्याशी और उनके निर्वाचन अभिकर्ताओं की मौजूदगी में

स्ट्रांग रूम खोले गए। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत स्ट्रांग रूम खोलने के दौरान वीडियोग्राफी भी कराई गई।

कलेक्टर एवं एसएसपी ने

जताया आभार–कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अक्षय कुमार सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश चंदेल ने सुव्यवस्थित ढंग से मतगणना सम्पन्न होने पर मतगणना में लगे अधिकारी-कर्मचारियों, प्रत्याशी व उनके अभिकर्ताओं, मीडिया प्रतिनिधियों तथा जिलेवासियों के प्रति आभार जताया है।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478